कमल संदेश
ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक

संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य

सत्यपाल

कला संपादक

विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-
त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qksu (dk-) : +91(11) 23381428
QSDI : +91(11) 23387887
पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल
kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय–सूची

संगठनात्मक गतिविधियां

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, दिल्ली 6

सरकार की उपलब्धियां

कृषि उन्नति मेला 8
डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय स्मारक की आधारशिला 9

वैचारिकी

एकात्म मानववाद की अवधारणा
– दत्तोपंत ठेंगड़ी 10

श्रद्धांजलि

सुन्दर सिंह भण्डारी 12

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

प्रस्ताव–1 13
प्रस्ताव–2 17
प्रधानमंत्री का उद्बोधन 22
महामंत्री प्रतिवेदन 23

लेख

राज्यसभा में प्रस्तावित आधार बिल संशोधनों को लोकसभा में क्यों नहीं अपनाया गया
– अरुण जेटली 26

अन्य

विश्व सूफी मंच 27
केरल में भाजपा–रा.स्व.सं. कार्यकर्ता मार्क्सवादी निर्ममता का शिकार 29

कमल संदेश के सभी सुधी पाठकों को

राम नवमी

की हार्दिक शुभकामनाएं!

फेसबुक

सोशल मीडिया से...

twitter

श्री नरेंद्र मोदी

मैं भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को उनके शहीदी दिवस के अवसर पर नमन करता हूं और पीढ़ियों को प्रेरणा देने वाले उनके अदम्य साहस और देशभक्ति के लिए उन्हें सलाम करता हूं। अपने युवाकाल में इन तीन बहादुर लोगों ने अपने जीवन त्याग दिए ताकि आने वाली पीढ़ियां आजादी की हवा में सांस ले सकें।

.....

श्री अमित शाह

एक व्यक्ति का बूथ स्तर के कार्यकर्ता से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का सफर अगर किसी राजनीतिक दल में हो सकता है तो सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में हो सकता है।

.....

श्री रविशंकर प्रसाद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के उत्तर-पूर्व को उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। भारत के प्रधानमंत्री और बांग्लादेश के प्रधान मंत्री सुश्री शेख हसीना ने कॉक्स बाजार लैंडिंग स्टेशन के माध्यम से अगरतला को एक नई उच्च गति के इंटरनेट लिंक का उद्घाटन किया। पूर्वोत्तर भारत के लिए उच्च गति इंटरनेट से नॉर्थ ईस्ट के लोगों के लिए डिजिटल दुनिया खुल जाएगी। यह दूरदर्शी कदम हमारे प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए।

श्री थावरचंद गहलोत

@TCGEHLOT

डॉ0 अम्बेडकर से सम्बंधित पंचतीर्थ जन्मभूमि, दीक्षाभूमि, चैत्यभूमि, 26 अलीपुर एवं लंदन स्थित अम्बेडकर निवास सुरक्षित रखे जाएंगे।

.....

श्री शिवराज सिंह चौहान

@ChouhanShivraj

मध्यप्रदेश में युवाओं के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए 100 करोड़ का वेंचर कैपिटल फंड। इससे कौशल संपन्न नवाचारी युवाओं को अपनी कंपनी बनाने में मदद मिलेगी। सरकार भी इन युवाओं की कंपनी में निवेश करेगी।

पाथेय

हमें अवश्य ही स्मरण रखना चाहिए कि उन व्यक्तियों ने ही इस पार्टी का निर्माण किया है जिन्होंने संगठन को हर चीज से ऊपर रखा। हम आज जो कुछ भी हैं, वह केवल इसलिए हैं क्योंकि संगठन के हितों को सदैव व्यक्ति के हितों और आकांक्षाओं से ऊपर रखा गया।

– कुशाभाऊ ठाकरे

विकास है एकमात्र मंत्र

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक नई दिल्ली में ऐसे समय पर हुई, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दूरदृष्टिपूर्ण एवं दमदार नीतियों से विश्व पटल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। जहां विश्व आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है वहीं भारत विश्व की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था बन चुका है। विश्व भारत की इस क्षमता को समझ रहा है। साथ ही नरेन्द्र मोदी विश्व के सभी नेताओं से प्रगाढ़ संबंध बना रहे हैं अमेरिकी राष्ट्रपति उन्हें 'मैन ऑफ एक्शन' कह कर संबोधित कर रहे हैं। आतंकवाद एवं काला धन को न केवल नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक एजेंडे पर शामिल किया है, बल्कि 'मेक इन इंडिया' की कल्पना कर भारत तथा इसमें भागीदारी करने वाले देशों के लिए नई संभावनाओं के द्वारा खोल दिये हैं। वास्तव में यदि देखा जाये तो इन कदमों से भारत का कद पूरी दुनिया में बढ़ा है तथा आने वाले दिनों में एक गौरवशाली भारत की नींव रख दी गई है।

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने कांग्रेस एवं इसके सहयोगियों पर देश के विकास के पथ को अवरूद्ध करने के लिए ठीक ही निशाना साधा है। उन्होंने न केवल उन महत्वपूर्ण विधेयकों को रोका जिससे देश के विकास में तेजी आ सकती थी बल्कि एक दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाकर देश के माहौल को खराब करने की कोशिश की है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा का विरोध करते-करते वे उन लोगों के साथ खड़े हो गये जिन्होंने देशविरोधी नारे लगाये तथा राष्ट्रवाद तक को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। कांग्रेस को समझना चाहिए कि कुछ विषय ऐसे हैं जो दलगत राजनीति से ऊपर है और कोई भी जिम्मेदार नागरिक कभी भी राष्ट्रवाद पर अपने अटूट विश्वास को किसी राजनैतिक दल के हितों के लिए तिलांजलि नहीं दे सकता। कांग्रेस को इस आत्मघाती खेल का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। लोग कांग्रेस के नकरात्मक राजनीति को देख रहे हैं और समय आने पर पुनः उसे सबक सिखायेंगे।

देश की जनता ने भाजपा को ऐतिहासिक जनादेश दिया है और पार्टी सुदृढ़, समृद्ध एवं विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। सरकार एवं पार्टी को पूरे तालमेल से काम करना है जिससे सरकार के अच्छे काम जन-जन तक पहुंच सके। विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक पार्टी के तौर पर भाजपा ने वंशवाद एवं भ्रष्टाचार से मुक्त सरकारें दी हैं। इतना ही नहीं नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टिपूर्ण अभिनव योजनाओं एवं दिन-रात कड़ी मेहनत से देश एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। भारत हर क्षेत्र में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है तथा ग्रामीण विकास एवं कृषि पर विशेष बल दिए जाने से भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव को सुदृढ़ किया जा रहा है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अपने संबोधन में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने ठीक ही कहा कि जबकि कांग्रेस शासन में कृषि विकास दर 2 प्रतिशत के आस-पास रही, अधिकतर भाजपा शासित राज्यों में यह दर दहाई के आंकड़ों पर रही। गुजरात के विकास की कहानी कृषि विकास पर लिखी गई तथा मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ भी सफलता के उस पैमाने पर निखर कर निकले हैं। गांव, गरीब तथा किसान पर बल देकर पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपनों को साकार किया जा रहा है।

यह समय श्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों पर कार्य करने का है। उन्होंने कहा, 'हमें केवल एक मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ना है- विकास, विकास और विकास। यह हर समस्या का समाधान है। हम उस दिशा में कार्य कर रहे हैं। इससे देश एवं समाज में कई सकारात्मक परिर्वन हो रहे हैं। देश विकास के पथ पर तेजी से बढ़ रहा है। हमें देखना है कि हमारा संगठन लोहे की तरह मजबूत हो और बरगद के वृक्ष की तरह विशाल हो जो कड़ी धूप से बचा शीतल छाया देता हो और जिसकी जड़ें गहरी हों।'' हर भाजपा कार्यकर्ता को कठिन परिश्रम करना है ताकि संगठन लोहे की तरह मजबूत और बरगद के वृक्ष की तरह विशाल बन सके। ■

हम कृषि को अपनी ताकत बनाने के लिए कटिबद्ध हैं : अमित शाह

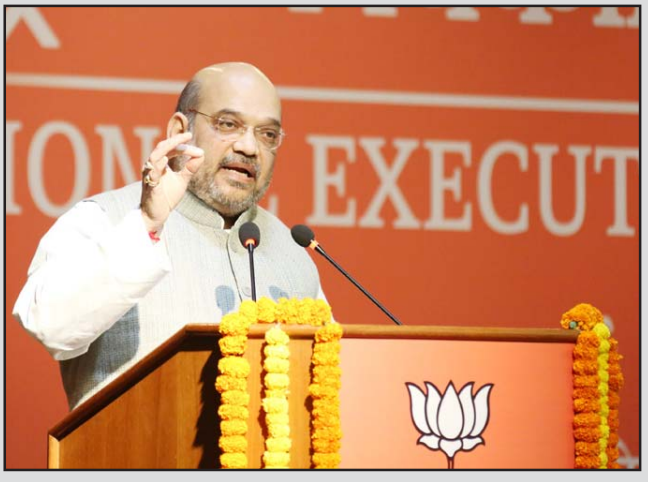

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 19 एवं 20 मार्च 2016 को नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में संपन्न हुई। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने ओजस्वी एवं प्रेरक अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हम अभिव्यक्ति की आजादी का समर्थन करते हैं, लेकिन देश की एकता और अखंडता को तोड़ने की किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेतृत्व आज भारतीय जनता पार्टी के पास है, जो अनवरत देश के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। हम यहां श्री अमित शाह के अध्यक्षीय भाषण का सारांश प्रकाशित कर रहे हैं :

भाजपा एकमात्र ऐसी लोकतांत्रिक पार्टी है जिसमें बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सांगठनिक चुनाव होते हैं। हमारे कार्यकर्ता पार्टी की मूल आत्मा हैं। एक साधारण से साधारण कार्यकर्ता भी शीर्ष तक पहुंच सकता है – यह हमारी विशेषता है।

इस वर्ष सर्वस्व त्याग के प्रेरणास्रोत गुरु गोविन्द सिंह जी की 350वीं जन्म जयंती, संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की 125वीं जन्म जयंती, एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी और ग्रामोत्थान व सामाजिक कल्याण के अग्रदूत नानाजी देशमुख जी की भी जन्म शताब्दी है, हमें उनके विचारों को जन – जन तक पहुंचाना है।

हमारे देश की एकता के मुख्य रूप से दो कारण हैं – एक, सरदार पटेल द्वारा रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर देश की एकता और अखंडता अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए रखी गई नींव और दूसरा, बाबा साहब द्वारा अखंड भारत को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाया गया एक सर्वसम्मत संविधान।

राष्ट्रद्रोह को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम के कपड़े पहनाये जा रहे हैं। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर राष्ट्रविरोधी नारों की चर्चा को दूसरी तरफ मोड़ने की कोशिश की जा रही है।

सरेआम देश के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में देश विरोधी नारे लगाए गए। राहुल गांधी का जेएनयू जाना गलत नहीं था, लेकिन उन्होंने राष्ट्रविरोधी नारे लगाने वालों के समर्थन में खड़े होकर जो बयान दिए, उसे कदापि सही नहीं ठहराया जा सकता।

देश पर आपातकाल थोपकर आम नागरिक और प्रेस की स्वतंत्रता का हनन करनेवाली कांग्रेस हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीख देने की कोशिश न करे। ऐसे देशद्रोही नारे लगाने वालों को आत्मचिंतन करने की जरूरत है।

भारतीय जनता पार्टी देशविरोधी नारों को कभी सहन नहीं कर सकती। हम अभिव्यक्ति की आजादी का समर्थन करते हैं, लेकिन देश की एकता और अखंडता को तोड़ने की किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

'भारत माता की जय' गत कई वर्षों से हमारी प्रेरणा का स्रोत रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता देश भर में

इन देशद्रोही गतिविधियों के खिलाफ अलख जगाने का काम करें।

इस वर्ष भाजपा की केंद्र सरकार एक ऐसा लोक कल्याणकारी बजट लेकर आई है जो कई मायनों में अलग और अद्वितीय है। इसने भारत के विकास की व्याख्या को नया आयाम दिया है।

2016 का बजट हमारी अंत्योदय की कल्पना को साकार करनेवाला बजट है। यह विकास को गांवों तक ले जाने वाला बजट है। यह बजट गांव, गरीब और किसानों की भलाई का बजट है। हम कृषि को अपनी ताकत बनाने के लिए कटिबद्ध हैं।

केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' मोदी सरकार द्वारा उठाया गया एक क्रांतिकारी कदम है जो किसी भी कारण से नष्ट हुए फसल का पूर्ण मुआवजा किसानों को देने का प्रावधान करता है। मिनिमम प्रीमियम पर मैक्सिमम रिवार्ड इस योजना का उद्देश्य है, ताकि किसान हर परिस्थिति में खुशहाल रह सकें।

मुद्रा बैंक योजना के माध्यम से करोड़ों युवाओं को स्वरोजगार के लिए काफी कम दरों पर ऋण मुहैया कराने का काम किया गया है। गांव, गरीब और किसानों की भलाई के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने कई इनिशिएटिव लिए हैं, तकरीबन हर 15 दिनों में एक नया इनिशिएटिव लिया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने देश को एक भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का काम किया है और राष्ट्र को वंश परम्परागत शासन से मुक्ति दिलाई है। मोदी जी ने किसानों का कल्याण व गरीबों के उत्थान का प्रयास प्रारंभ किया है और आज उनके कुशल नेतृत्व में देश पूरी मजबूती से विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार खड़ा है। कांग्रेस के शासनकाल में किसी भी प्रदेश में कृषि विकास दर कभी 2 प्रतिशत भी नहीं रही, जबकि हमने हर प्रदेश में, जहां भी हमारी सरकारें हैं, 10 प्रतिशत से ज्यादा कृषि विकास दर करके बताया है।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पहली बार देश के भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए वर्षों से लंबित वन रैंक – वन पेंशन योजना को लागू करने का काम किया है, क्योंकि यह हमारा दायित्व है। हम सैनिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी है। हमने एक लोकप्रिय प्रधानमंत्री और मजबूत विदेश नीति के चलते हमने विश्व भर में भारत के व्यापार और समृद्धि की एक नई सोच विकसित की है।

हम अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध हैं। देश की एक-एक इंच भूमि की सुरक्षा हर हाल में की जाएगी, लेकिन शांति प्रयास भी निरंतर जारी रहेंगे। आज हमारे जवानों को सीमा पार किसी भी संदिग्ध गतिविधियों का जवाब देने के लिए किसी की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है, सीमा पर किसी भी तरह की घुसपैठ या हमले का मुंहतोड़ जवाब देने की उन्हें आजादी है।

हमने 11 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य तो हासिल कर लिया है लेकिन हमारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है – हमें अब उन्हें भाजपा का कार्यकर्ता बनाना है।

केरल हो या बंगाल, हमारे कार्यकर्ताओं पर हो चाहे जितना भी अत्याचार – हम न रुकेंगे, न झुकेंगे।

कांग्रेस पार्टी व उनके उपाध्यक्ष राहुल गांधी हर तरह की नकारात्मक मानसिकता से ग्रस्त हैं, इसलिए उनके पास मोदी सरकार पर अनर्गल और मिथ्या आरोप लगाने के सिवा कोई काम नहीं रह गया है। कांग्रेस के रोकने से ना तो पार्टी रुकेगी और न ही सरकार, हम देश के विकास के लिए अनवरत काम करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने देश को एक भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का काम किया है और राष्ट्र को वंश परम्परागत शासन से मुक्ति दिलाई है। मोदी जी ने किसानों का कल्याण व गरीबों के उत्थान का प्रयास प्रारंभ किया है और आज उनके कुशल नेतृत्व में देश पूरी मजबूती से विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार खड़ा है।

कांग्रेस के शासनकाल में किसी भी प्रदेश में कृषि विकास दर कभी 2 प्रतिशत भी नहीं रही, जबकि हमने हर प्रदेश में, जहां भी हमारी सरकारें हैं, 10 प्रतिशत से ज्यादा कृषि विकास दर करके बताया है।

दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेतृत्व आज भारतीय जनता पार्टी के पास है जो अनवरत देश के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए प्रयत्नशील रहते हैं।

हम 2019 में पिछले लोक सभा चुनावों से भी ज्यादा बहुमत के साथ भाजपा केंद्र की सत्ता में आएं, यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए। ■

आइए हम 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का संकल्प लें : मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 19 मार्च को नई दिल्ली में कृषि उन्नति मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि भारत का भाग्य गांव और किसानों का भाग्य बदले जाने के बाद ही संभव है। उन्होंने कहा कि दूसरी कृषि क्रांति की जरूरत है और ये क्रांति विज्ञान के सहारे लाई जा सकती है। उन्होनें कहा कि कई राज्य ऐसे हैं, जहां कृषि पर थोड़ा ध्यान देने से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 मार्च को किसानों, राज्यों और केंद्र सरकार सहित सभी हितधारकों से 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। दिल्ली में आयोजित कृषि उन्नति मेले में भारतीय कृषि के लिए किसानों के साथ अपने विजन को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कार्य चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि इस लक्ष्य का प्राप्त किया जाना बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि उन्नति मेला एक ऐसा मंच है, जो भारत के भाग्य को दोबारा लिख सकता है। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य का निर्माण कृषि विकास, भारत के किसानों और गांवों की समृद्धि की बुनियाद पर किया जा सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने हाल ही में प्रस्तुत केंद्रीय बजट का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका इन क्षेत्रों पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। श्री नरेन्द्र मोदी ने जोर देकर कहा कि भारतीय कृषि में अगली क्रांति प्रौद्योगिकी और आधुनिकीकरण का उपयोग करते हुए लानी होगी और भारत के पूर्वी इलाके में इसे प्राप्त करने की अधिकतम संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार इस लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है।

'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि इससे पानी का सही इस्तेमाल होगा और किसानों को ज्यादा पैदावार मिलेगी। उन्होंने कहा कि कि पानी ईश्वर का हमें तोहफा है, हमें इस बर्बाद करने का हक नहीं है, इसलिए हमें 'पर ड्रॉप, मोर क्रॉप' पर ध्यान देना है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि किस प्रकार इनपुट लागत घटाकर किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना इनपुट लागत घटाने की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रधानमंत्री ने खेती की गतिविधियों में विविधता के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फसल उगाने के साथ-साथ किसान अपने खेतों के किनारे इमारती लकड़ी के पेड़ लगाने का विकल्प चुन सकते हैं और पशु पालन का कार्य भी शुरू कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि गतिविधियों में विविधिता से कृषि के साथ जुड़े जोखिम भी कम हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के लाभों के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि इस योजना के लिए व्यापक विचार-विमर्श किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना की विशेषता है न्यूनतम प्रीमियम द्वारा अधिकतम सुरक्षा। इससे पहले प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनी मंडपों का भ्रमण किया और उन्हें विभिन्न संस्थानों और कृषि उद्यमियों द्वारा अपनाई जा रही श्रेष्ठ प्रक्रियाओं और तकनीकियों, नवीनतम कृषि उपकरणों और दुधारु मवेशियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री ने 2014-15 के लिए राज्यों और किसानों को कृषि कर्मण पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने किसानों के लिए 'किसान सुविधा' मोबाइल एप्लीकेशन का भी शुभारंभ किया। यह किसानों को मौसम, बाजार मूल्यों, उर्वकरों, कीट नाशकों और कृषि मशीनरी जैसे विषयों पर जानकारी उपलब्ध कराएगा। ■

बाबा साहब ने राष्ट्र-निष्ठा की प्रेरणा दी : मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 मार्च को दिल्ली में डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक की नींव रखी। यह स्मारक 2018 में पूरा होगा। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि मार्टिन लूथर किंग की तरह हैं अंबेडकर। साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की आरक्षण नीति में कोई बदलाव नहीं होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 मार्च को डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण स्थल 26, अलीपुर रोड, दिल्ली में डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय स्मारक के निर्माण संबंधी शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने विज्ञान भवन ने शिलान्यास के कार्यक्रम संबंधी पट्टिका का अनावरण किया। इसके पश्चात् छठे डॉ. अम्बेडकर स्मारक व्याख्यान देते हुए प्रधानमंत्री ने दृढ़तापूर्वक कहा कि केन्द्र सरकार की आरक्षण नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। इस नीति के अंतर्गत समाज के कमजोर वर्गों के पक्ष में कार्यक्रम चलते रहेंगे। उन्होंने इस संबंध में दुष्प्रचार कर झूठी सूचना प्रसारित करने वालों की कड़ी निंदा की। उन्होंने याद दिलाया कि ऐसे दुष्प्रचार तब भी हुए, जब श्री वाजपेयी प्रधानमंत्री थे।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने तो राष्ट्र-निष्ठा की प्रेरणा दी थी, लेकिन कुछ लोग सिर्फ राजनीति चाहते हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि बाबा साहब जैसे महापुरुष के सामने हम कुछ भी नहीं हैं। कुछ लोग राजनीति करते हैं, लेकिन इससे समाज दुर्बल होता है। इससे राष्ट्र को सबल नहीं बना सकते।

डॉ. अम्बेडकर के योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय स्मारक शीघ्र ही दिल्ली के महत्वपूर्ण भवनों में से एक होगा। उन्होंने घोषणा की कि वे स्वयं बाबासाहेब की जयंती 14 अप्रैल, 2018 को इसका उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि डॉ. अम्बेडकर के सम्मान में पांच स्थलों को 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन स्थानों में, मऊ स्थित उनका जन्मस्थल, लन्दन में वह स्थल जहां वे ब्रिटेन में अध्ययन के दौरान ठहरे थे, नागपुर में दीक्षा भूमि, दिल्ली में महापरिनिर्वाण स्थल और मुम्बई में चैतन्य भूमि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के जनपथ पर स्थित डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन भवन का भी जिक्र किया।

राष्ट्र के प्रति डॉ. अम्बेडकर के योगदान की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सरदार पटेल देश को राजनीतिक रूप से एक कर रहे थे, तब डॉ. अम्बेडकर संविधान के माध्यम से समाज को एकसूत्र में पिरो रहे थे। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि किस तरह से डॉ. अम्बेडकर ने महिलाओं के समान अधिकारों की वकालत की थी, वह भी उस दौर में जब ऐसे विचारों को कड़े राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता था। डॉ. अम्बेडकर ऐसे कर्म के चलते वैश्विक फलक पर छा गये थे। मार्टिन लूथर किंग ने अमरीका में यही किया था।

डॉ. अम्बेडकर सिर्फ दलित श्रमिकों के ही नहीं, बल्कि सभी मेहनतकशों के मसीहा थे। इसके लिए प्रधानमंत्री ने आठ घंटे काम करने की समय सीमा तय करने में डॉ. अम्बेडकर के योगदान को याद किया।

हाल की नीतिगत पहल और विधायी कदमों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने ही पहली बार भारत की सामुद्रिक क्षमता और अंतर्देशीय जलमार्ग के सपनों को देखा था। इसी तरह, सभी अछूते गांवों में बिजली पहुंचाने के लिए केन्द्र सरकार ने 2018 तक यह कार्य संपन्न करने का वायदा किया। यह डॉ. अम्बेडकर के नजरिये को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है। ■

एकात्म मानववाद की अवधारणा

– दत्तोपंत ठेंगड़ी

भारतीय जनसंघ के पूर्व अध्यक्ष पं. दीनदयाल उपाध्याय मौलिक विचारक थे। उन्होंने 1965 में भारतीय संस्कृति पर आधारित 'एकात्म मानववाद' प्रस्तुत किया। 'एकात्म मानववाद' भाजपा का मूल दर्शन है। हम यहां राष्ट्रवादी विचारक स्व. दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा 'एकात्म मानववाद की अवधारणा' पर प्रस्तुत विचार का श्रृंखलाबद्ध प्रकाशन कर रहे हैं:-

अब प्रश्न यह है कि पश्चिम की विभिन्न विचारधारायें नयी हैं तो क्या इसीलिये उन्हे प्रगतिशील, आधुनिक और श्रेष्ठ मान लिया जाये? उचित तो यह होगा कि दोनों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाये। जो अच्छा हो, वही लिया जाये। इस दृष्टि से अपनी जो पद्धति है। अपना जो सनातन धर्म है, वह अन्य पाश्चात्य विचारों की तुलना में आज भी महिमामय है। उसकी विशेषतायें तो बहुत हैं, किन्तु आज के सन्दर्भ मे उसको स्पष्ट करते हुये स्व. पं. दीनदयाल जी ने कहा था कि ''हम एकात्म मानववाद के पुजारी हैं।''

उपाध्याय जी का स्पष्ट निर्देश-दोनों में जो अन्तर है, वह सम्भवत स्पष्ट हो गया है। आज की परिस्थितियों के सन्दर्भ में अपने धर्म की विशेषता का नामकरण पंडित जी ने ''एकात्म मानवदर्शन'' से किया। इसी आधार पर सनातन धर्म की रचना है। यही रचना सम्पूर्ण मानव समाज को सभी कालखण्डों मे सुख व सम्पन्नता का आश्वासन दे सकती है।

अब हम इस तथ्य को भी ध्यान मे रखें कि अपने यहां की वैचारिक प्रक्रिया अलग ढंग की है। इसका कारण यह है कि भारतीय दर्शन की धारणाओं और अभारतीय विचारकों के विचारों में कुछ मौलिक अन्तर विद्यमान है। उस अन्तर की ओर स्पष्ट निर्देश करते हुये पण्डित जी ने बताया कि पश्चिम मे भी इकाइयों संस्थाओं एव कल्पनाओं का विचार पृथक-पृथक आधार पर किया गया। व्यक्ति का व्यक्ति के नाते, परिवार का परिवार के नाते, समाज का समाज के नाते और मानवता का मानवता के नाते वहां विचार किया गया। किन्तु इन समस्त इकाइयों मे कुछ सम्बन्ध है, इसका विचार नहीं किया गया। व्यक्ति का विचार करते समय अन्य सामाजिक अवयवों को भुला दिया गया। यही बात परिवार, समाज और मानवता का विश्लेषण करते समय हुई। पाश्चात्य प्रकृति है कि एक ही अवयव को वे देखते हैं। एक रिलीजन का ही उदाहरण हम ले लें। पश्चिम में अनेक प्रकार के मत-मतान्तर या रिलीजन होंगे किन्तु एक बात में वे समान है। प्रत्येक रिलीजन वाला कहता है कि ''मेरा रिलीजन सही है, बाकी सब गलत हैं।'' अब अपने देश में भी हम देखे। यहां भी अनेकानेक सम्प्रदाय हैं। किन्तु यहां प्रत्येक व्यक्ति कहता है कि ''मेरा सम्प्रदाय सही है, तुम्हारा भी सही है।'' ''मेरे रिलीजन द्वारा ईश्वर प्राप्ति सम्भव है''- यह पाश्चात्य पद्धति है। ''तुम्हारे सम्प्रदाय द्वारा भी ईश्वर प्राप्ति सम्भव है''- यह भारतीय पद्धति है। उनमें यहां सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में भी इसका दर्शन होता है। उनके यहां एक-एक इकाई का विचार हुआ। समझने के लिये यह कहा जा सकता है कि बीच में एक बिन्दु है जो व्यक्ति है। उसको आवृत करने वाला किन्तु पिछले घेरे से असम्बद्ध एक दूसरा बड़ा घेरा समुदाय का है। उसको आवृत्त करने वाला उससे बड़ा घेरा राष्ट्र का है और उससे ऊपर जो घेरा है वह मानवता का है। यहां तक वे लोग पहुंच गये हैं।

यह रचना संकेन्द्री है। इससे व्यक्ति या मानव केन्द्र बिन्दु है। अब उससे सम्बन्ध न रखते हुये अन्य घेरे- परिवार, समुदाय, राष्ट्र और मानवता के हैं। यह एक दूसरे को आवृत्त अवश्य करते हैं पर एक दूसरे से निर्गमित नहीं होते।

अपने यहां जो रचना दी गयी है, वह सनातन रचना है और नवीन नहीं है। इसे कुंडलित सपिंत या उत्तरोत्तर वृद्धि करने वाली अखण्ड मण्डलाकार रचना कहा जाता है। इसका प्रारम्भ व्यक्ति से होता है और व्यक्ति को लेकर व्यक्ति से सम्बन्ध न तोड़ते हुये उसी से सम्बन्ध कायम रखते हुये अगला घेरा परिवार का है। उसे खण्डित न करते हुये उससे बड़ा घेरा समाज का है। उसे खण्डित न करते हुये उसी से सम्बद्ध दूसरा घेरा राष्ट्र है। शाश्वत रूप मे उससे ऊपर का घेरा मानवता का है ओर चरम शिखर पर चराचर विश्व का घेरा है।

इन दोनों रचनाओं का अन्तर हम ध्यान मे रखें तो अच्छा होगा। व्यक्ति, परिवार, समुदाय, राष्ट्रीय समाज, मानवता यह विचार हमने किया और उन्होंने भी किया। उनकी रचना मे असम्बद्धता दिखाई देती है। उनकी रचना अलग-अलग इकाइयों में है और एक का दूसरे से कोई सम्बन्ध नहीं है, यद्यपि वे एक दूसरे को आवृत्त करती है। उनका यह विचार एकांतिक होने के कारण रचना सकेन्द्री है। हमारी रचना में पहली इकाई से दूसरी इकाई निकलती

है, दूसरी से तीसरी और इस तरह यह क्रम चलता रहता है। उत्तरोत्तर वृद्धि करने वाली अखण्ड मण्डलाकार रचना के कारण इन इकाइयों के हितों मे विरोध नहीं है। परिवार और समुदाय के हित मे विरोध नहीं दिखता। व्यक्ति और परिवार के हित मे विरोध नहीं है। परिवार और समुदाय के हित मे असंगति नहीं है। समुदाय और राष्ट्र, राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीयता मे कही भी विरोध नहीं दिखता। अपनी मान्यता यह है कि विभिन्न इकाइयां एक दूसरे की विरोधी न होकर एक दूसरे की पूरक हैं। उदाहरणार्थ बच्चा जब छोटा होता है, वह कुछ भी नहीं जानता। उस अवस्था में उसके लिये एक इकाई बन जाता है। पर वह अहम् का निषेध नहीं करता। ''मैं'' भी सत्य हूं, परिवार भी सत्य है। वह और बड़ा होता है। गुण-कर्म रखने वाले लोगों के साथ समुदाय स्थापित करता है। उसके साथ एकात्म होता है। समुदाय के बारे में सोचता है। इसी क्रम में विकास करते हुये बाद में वह सोचता है कि केवल मेरा समुदाय ही नहीं, सम्पूर्ण राष्ट्र मेरा है। फिर अन्तिम संन्यास अवस्था आती है। ''स्वदेशो भुवनत्रयम'' से सम्पूर्ण मानवता का विचार आरम्भ कर वह चराचर जगत से तादात्म्य स्थापित कर लेता है और विश्व नागरिक ही नहीं तो चराचर सृष्टि का नागरिक बनने की महिमामय स्थिति को वह प्राप्त कर लेता है। बचपन के अंहकार से लेकर संन्यासी जीवन के चरमोत्कर्ष अवस्था तक का यह जो सुदीर्घ वैचारिक प्रवास है, उसमें जैसे-जैसे आत्मचेतना बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे उसके लिये पुरानी इकाई सब तरह से सत्य होते हुये भी नयी इकाई के सत्य का साक्षात्कार उसको होता जाता है। अंतिम साक्षात्कार ''सर्व खल्विदं ब्रह्म'' का साक्षात्कार संन्यास अवस्था में होता है।

अराजकता में विकासक्रम-दूसरे शब्दों में सभी इकाइयां सत्य हैं। हमारी आत्मचेतना का जैसे-जैसे विस्तार होगा वैसे-वैसे हमारे साक्षात्कार का विकास होगा। सभी सत्य है, इस कारण एक दूसरे का तिरस्कार नहीं, उसका परित्याग नहीं और निषेध नहीं होगा, जैसे बीज से अंकुर और अंकुर से पौधा निकलते हैं। उसमें से कुल और फल निकलते हैं। हर एक का आकार अलग है। अंकुर अलग है, फल अलग है। एक दूसरे का कोई सम्बन्ध नहीं दिखता। प्रतीत होता है कि यह अत्यन्त अराजक स्थिति है। लेकिन यह अराजक न होकर एक विकास क्रम है। बीज और अंकुर मे कोई विरोध नहीं। इन सबमें कोई विरोध नहीं है। सबसे छोटी इकाई से लेकर सबसे बड़ी इकाई तक एकात्मकता है।

एकात्म जीवन की महत्ता-हमने सबसे छोटी इकाई- व्यक्ति पर बल दिया और उसका संगठन किया। हमारे यहां व्यक्ति के स्वरूप को जिस प्रकार संगठित और एकात्म किया गया, वैसा पश्चिम में नहीं है।

सभी अपने-अपने दायरे में सत्य हैं। कोई एक दूसरे का विरोध नहीं करता। यह भारतीय विचार पद्धति की विशेषता है।

एकात्म जीवन की महत्ता-हमने सबसे छोटी इकाई- व्यक्ति पर बल दिया और उसका संगठन किया। हमारे यहां व्यक्ति के स्वरूप को जिस प्रकार संगठित और एकात्म किया गया, वैसा पश्चिम में नहीं है। वहां पर भौतिक प्रगति को ही केवल महत्व दिया गया है। सर्वाधिक प्रगतिशील राष्ट्र अमेरिका है। वहां भौतिक प्रगति काफी लोगों की हो गयी है किन्तु यह आश्चर्य की बात है। वहां के सर्वसाधारण व्यक्ति के अंदर सुख, सन्तोष और समाधान का पूर्णतया अभाव है। वहां पर व्यक्ति के जीवन में परस्पर विरोध, असमानता असन्तोष, सर्वाधिक अपराध और आत्महत्याएं दिखायी देती हैं। वहां प्रगति हुई है, उच्च रक्तचाप की, हृदय रोग की और अपराध प्रवृत्ति की। सम्पूर्ण संसार को खरीद सकने की क्षमता रखने वाला अमेरिका भौतिक समाधान से मानसिक समाधान नहीं प्राप्त कर सका। आखिर व्यक्ति का अन्तिम लक्ष्य क्या है? सुख- जो चिरन्तन हो, घनीभूत हो। सब कुछ करने के बाद भी यूरोपीय देशो में समाधान व सुख का अभाव है। ईसा ने कहा था कि ''सम्पूर्ण संसार का साम्राज्य भी प्राप्त कर लिया, परन्तु आत्मा का सुख खो दिया तो उससे क्या लाभ।'' आज पश्चिम में चन्द्रमा पर साम्राज्य के लिये होड़ मची है। किन्तु वह अपना सुख समाधान खो बैठा है। अपने यहां, छोटी से छोटी इकाई-व्यक्ति संगठित और एकात्म है। यहां उसे खण्डों में विभक्त समझने की बुद्धिमत्ता प्रदर्शित नहीं की गयी। लेकिन अमेरिका के एक मनोवैज्ञानिक ने वर्णन किया है कि ''सड़कों पर एक ऐसी बड़ी भीड़ हमेशा लगी रहती है, जो आत्मविहीन मानसिक दृष्टि से अस्वस्थ, एक दूसरे से अपरिचित और नि:संग स्थिति में हैं। उनका अपने ही साथ समन्वय नहीं तो दुनिया के साथ क्या होगा? व्यक्ति का समाज के साथ समन्वय नहीं। व्यक्ति भी संगठित और एकात्मक इकाई नहीं। केवल भौतिक स्तर पर विचार करने के कारण वहां व्यक्ति को भौतिक एवं आर्थिक प्राणी माना गया। यदि भौतिक-आर्थिक उत्कर्ष मानव को मिले तो उससे सुख की प्राप्ति होगी, यह माना गया। किन्तु भौतिक-आर्थिक उत्कर्ष की चरम सीमा होने पर भी सुख का अभाव है और इसका कारण यही है कि वहां खण्ड-खण्ड में विचार करने की प्रणाली है, जिसमे व्यक्ति को केवल भौतिक-आर्थिक प्राणी मान लिया गया है और व्यक्ति के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर संगठित एवं एकात्म रूप में विचार नहीं किया गया है।

क्रमश:...

सुन्दर सिंह भण्डारी

शत शत नमन

श्री सुन्दर सिंह भण्डारी का जन्म 12 अप्रैल 1921 को उदयपुर के एक जैन परिवार (राजस्थान) में हुआ। मूलत: उनका परिवार भीलवाड़ा के मण्डलगढ़ से संबंध रखता था, परन्तु उनके दादा वहां से उदयपुर चले गए थे। श्री भण्डारी जी के पिता डा. सुजान सिंह भण्डारी डाक्टरी पेशे से संबंद्ध थे। इस कारण उन्हें सदैव घूमते रहना पड़ता था। श्री भण्डारी की शिक्षा कई स्थानों पर हुई। उन्होंने उदयपुर से सिरोही से इंटरमीडिएट परीक्षा पास की और डीएवी कॉलेज, कानपुर से बीए और एम.ए. किया। उन्होंने अर्थशास्त्र में एम.ए. पास किया और बाद में लॉ का अध्ययन किया।

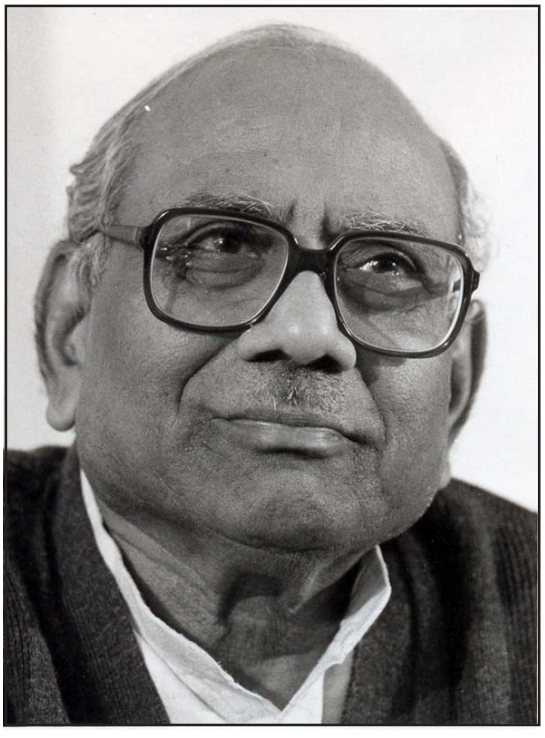

श्री भण्डारी 'सरल जीवन और उच्च विचारों' के प्रतीक थे। शांत भाव के भण्डारी जीवन भर अविवाहित रहे और राष्ट्र की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया। 1942 में अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद मेवाड़ उच्च न्यायालय में लीगल प्रेक्टिस शुरू की। 1937 में उन्होंने एस.डी. कॉलेज, कानपुर में प्रवेश लिया, जहां पं. दीनदयाल उपाध्याय उनके सहपाठी थे। 1937 (दिसम्बर) में इंदौर के बालू महाशब्दे ने उन्हें कानपुर के निकट नवाबगंज की आर.एस.एस शाखा में ले गए थे। तब से वे सदैव अपनी अंतिम सांस तक आरएसएस की विचारधारा के प्रति वचनबद्ध रहे।

1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई, रा.स्व.संघ से जिन प्रमुख कार्यकर्ताओं को जनसंघ में कार्य के लिए भेजा गया था, उनमें उनका नाम प्रमुख रूप से शामिल था। 1951 से 1965 तक श्री भण्डारी ने राजस्थान जनसंघ में महामंत्री का दायित्व निभाया।

इसके अलावा वे 1963 में जनसंघ के अखिल भारतीय मंत्री थे। पं. दीनदयाल उपाध्याय की मृत्यु के बाद 1968 में श्री भण्डारी जी को अखिल भारतीय महामंत्री (संगठन) बनाया गया।

उन्होंने 1977 तक जनसंघ महामंत्री के पद पर कार्य किया। वह 1966-1972 के समय राजस्थान से राज्यसभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए जब वह उस समय 'मीसा' के अन्तर्गत हिरासत में थे। 1998 में उनका राज्य सभा का कार्यकाल समाप्त हुआ, तब उन्हें बिहार का गवर्नर नियुक्त किया गया था। 1999 में उन्हें गुजरात का गवर्नर नियुक्त किया गया। भण्डारी जी ने कार्यकर्ताओं के सामने सरलता, सहनशीलता और मितव्ययता का उदाहरण पेश किया। लोगों ने भी ही उनकी जीवन शैली पर चलना कठिन समझा हो, परन्तु के प्रकृति से बहुत नरम दिल इंसान थे।

उन्होंने अनुशासित पार्टी की छवि कायम रखी। उन्हों ने कार्यकर्ताओं से जीवन शैली की गरिमा बनाए रखने का आह्वान किया। वह एक ऐसे मूर्तिकार और कार्यकुशल क्राफ्टस्मैन थे जिन्होंने मानव, समाज और संगठन की प्रतिमा बनाई। वह कभी भी 'कलश' नहीं बनना चाहते थे। इसी कारण वे अत्यंत स्पष्टवादी थे। अपनी प्रकृति के कारण वे कार्यकर्ताओं में 'हैडमास्टर' के नाम से सुप्रसिद्ध हो गए।

22 जून 2005 को उनका स्वर्गवास हो गया। श्री भण्डारी जी ने अपने कालकाजी निवास पर प्रात: पांच बजे अंतिम सांस ली। उन्होंने अपना सारा जीवन मातृभूमि को समर्पित किया तथा जीवनभर के रा.स्व.सं. प्रचारक बने रहे। उनकी मृत्यु से एक प्रखर राष्ट्रवादी समाप्त हो गया।

देश ने एक असाधारण राष्ट्रवादी गंवा दिया। भाजपा ने उनकी मृत्यु से एक मित्र, चिंतक और मार्ग-निर्देशक खो दिया। ■

प्रस्ताव – 1

ग्राम उदय से भारत उदय

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में 'ग्राम उदय से भारत उदय' पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव को केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजयपाल सिंह तोमर ने किया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी गांव, गरीब, किसान को संकल्प से जुड़ने का आह्वान करती है ताकि सरकार के पारदर्शी एवं उत्तरदायी शासन के साथ जुड़कर देश के विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाये और हम देश के हर नागरिक को सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार देने में कामयाब हो सके। हम इस प्रस्ताव का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:-

ग्राम उदय से भारत उदय

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में हमारी सरकार द्वारा ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन एवं बेहतर स्वास्थ सुविधाओं की दिशा परिवर्तन में उठाए गए सकारात्मक एवं प्रभावी बजट का स्वागत करती है। माननीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली जी के द्वारा बजट बनाते समय वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी, वर्षा की कमी तथा अनेक राजनीतिक अवरोध जैसी चुनौतियों का सामना करते हुए भी देश की अर्थव्यवस्था में समग्र विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाने के लिए परिवर्तनकारी बजट प्रस्तुत किया है। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय वित्त मंत्री जी का हार्दिक अभिनन्दन करती है।

हमारी सरकार द्वारा 2016-17 के एतिहासिक बजट के माध्यम से भारत में 'सबका साथ सबका विकास' की प्रतिबद्धता को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह बजट ग्रामीण भारत के जीवन में परिवर्तन का आधार बनेगा। हमारी पार्टी के विचारक पण्डित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानव दर्शन के विचार के अनुरूप इस बजट में अन्त्योदय के संकल्प को प्राथमिकता दी है। अन्त्योदय के विचार के अनुरूप ही इस बजट की प्राथमिकता समावेशी विकास के लिए समाज के सभी वर्गो को सम्मानपूर्वक जीवन उपलब्ध कराना है।

केन्द्र में हमारी सरकार के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन तथा रोजगार सृजन के लिए जो कदम उठाये गए है वह प्रशंसनीय है। केन्द्र की हमारी सरकार द्वारा ग्रामीण विकास, औद्योगिक विकास एवं आधारभूत संरचना के विकास में जो संतुलन बनाया गया है वह देश के लिए परिवर्तनकारक है।

इसलिए सरकार द्वारा इस बजट में कृषि के विकास को समग्र बनाने के लिए ग्रामीण विकास, सामाजिक सुरक्षा, टिकाऊ विकास एवं रोजगार की अवसरों को उसके साथ जोड़कर समावेशी विकास की प्रकिया को अपनाया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में इस बजट योजना द्वारा हमारी सरकार ने खाद्य सुरक्षा, रोजगार सुरक्षा, स्वास्थ सुरक्षा, एवं ग्रामस्वराज को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

विगत 67 वर्षों में कांग्रेस सरकार की भ्रष्ट आर्थिक नीतियों के कारण देश छद्म समाजवाद से छद्म पूंजीवाद की ओर चला गया। देश के सामान्य नागरिक का जीवन मूलभूत सुविधाओं के अभाव में दूभर हो गया। इतने लंबे वर्षो के शासनकाल के बावजूद भी कांग्रेस सरकार सभी ग्रामीण क्षेत्रों तक बिजली, सड़क, पानी, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी सामान्य नागरिक सुविधा को भी नहीं पंहुचा सकी। 'गरीबी हटाओ' केवल नारा मात्र बन कर रह गया। आज केन्द्र की हमारी सरकार ग्रामीण क्षेत्र के हित में नई कार्ययोजना को ला रही है तब कांग्रेस द्वारा उसको रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीण विकास एवं कृषि संबंधी विकास की चर्चा करते हुए वर्ष 2015-16 के आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि विगत शासनकाल में भारत की हरित क्रांति स्वयं अपनी उपलब्धि की शिकार बन गई वह केवल खर्चे की प्रक्रिया बन गई। खेती के क्षेत्र को कांग्रेस के शासनकाल में केवल उत्पादन केन्द्रित बनाकर किसानों को कर्जे के बोझ में डाल दिया गया। कांग्रेस सरकार के द्वारा ग्रामीण विकास की

मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की गई। इसके कारण भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन, बेरोजगारी, आत्महत्या एवं निराशावादी वातावरण का निर्माण हुआ। हमारी सरकार ने इस कमी को दूर करने के लिए इस बजट के माध्यम से परिवर्तनकारी एवं साहसिक कदम उठाये है।

कृषि विकास के माध्यम से गरिमापूर्ण जीवन की ओर

देश में ग्रामीण भारत के मजबूत विकास के नींव पर ही प्रगति का रास्ता तय किया जा सकता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसको मजबूती से आगे बढाया है। कृषि क्षेत्र में विकास के प्रक्रिया में उत्पादन वृद्धि के साथ साथ सरकार द्वारा सिंचाई योजना, पशुधन संवर्धन, मृदा स्वास्थ, फसलों का उचित मूल्य, जल संसाधनों का प्रयोग, उर्वरकों का संतुलित प्रयोग, परम्परागत कृषि विकास, कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्रोत्साहन देने के लक्ष्यों के साथ प्रभावकारी नई योजनाओं की शुरुआत की है।

देश में ग्रामीण भारत के मजबूत विकास के नींव पर ही प्रगति का रास्ता तय किया जा सकता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसको मजबूती से आगे बढाया है। कृषि क्षेत्र में विकास के प्रक्रिया में उत्पादन वृद्धि के साथ साथ सरकार द्वारा सिंचाई योजना, पशुधन संवर्धन, मृदा स्वास्थ, फसलों का उचित मूल्य, जल संसाधनों का प्रयोग, उर्वरकों का संतुलित प्रयोग, परम्परागत कृषि विकास, कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्रोत्साहन देने के लक्ष्यों के साथ प्रभावकारी नई योजनाओं की शुरुआत की है।

देश में मौसम की अनिश्चितता एवं किसानों को सुरक्षा देने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को शुरू करके मौसम की अनिश्चितता होते हुए भी किसान के जीवन में निश्चितता देने का कार्य हमारी सरकार द्वारा किया गया है। जिसके माध्यम से सभी किसानों को सरलता के साथ बीमा देकर उनको सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा की आश्वस्ति प्रदान की गई है। इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा पांच हजार करोड़ रुपया उपलब्ध कराये गए है। ग्रामीण क्षेत्र में किसानों के लिए प्रर्याप्त ऋणप्रवाह सुनिश्चित करते हुए कृषि ऋण क्षेत्र के लक्ष्य को 9 लाख करोड़ रुपया किया गया है, यह अब तक का सर्वाधिक लक्ष्य है। किसान क्रेडिट कार्ड के समुचित उपयोग से सरकार ग्रामीण किसानों को खेती को कर-मुक्त कराने के लिए संकल्प लिया है। इसके अतिरिक्त किसानों के ऋण के ब्याज के भार को कम करने के लिए सरकार द्वारा 15000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त राशि का उपलब्ध करवाया जाना भी स्वागत योग्य है। किसानों को समर्थन मूल्य का लाभ देने के लिए 2016-17 के बजट में तीन महत्वपूर्ण कदम सरकार द्वारा उठाये गए है जो किसानों को विकेन्द्रित एवं पारदर्शी तरीके से न्यूनतम मूल्य देने में कारगर होंगे एवं देश में दालों के उत्पादन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। कृषि क्षेत्र में पशुधन एवं मूल्यवर्धन के लिए भी सरकार द्वारा बजट में प्रभावी प्रावधान निर्मित किये गए हैं।

देश में आजादी के छः दशक के पश्चात भी 46 प्रतिशत कृषि भूमि ही सिंचाई योग्य है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हमारी ग्रामीण एवं कृषि व्यवस्था को पूर्णतया सुखाग्रस्त की समस्या से मुक्त करने हेतु अभियान के रूप में ''प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना'' को शुरू किया गया है, जिसके अंतर्गत 20,000 करोड़ रुपया लम्बी अवधि के सिंचाई योजना के लिए रखा गई है। देश में AIBP के तहत 89 सिंचाई परियोजना का कार्यान्वन जो लंबे समय से पिछड़ रहा था उसमें तेजी लाने के लिए सरकार ने पर्याप्त प्रबंध किया है।

कृषि उत्पादन में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा मृदा स्वास्थ कार्ड स्कीम से ग्रामीण क्षेत्र में नया परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया है। पहली बार देश में किसानों को उर्वरक वितरण में कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। नीम कोटेड उर्वरक के प्रयोग द्वारा देश में किसानों को लाभ पहुंचा है। उर्वरक कंपनियों के 2,000 मॉडल खुदरा बिक्री केन्द्रों को अगले तीन वर्षो के दौरान मृदा और बीज परिक्षण सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। उर्वरक कम्पनियां शहर के कम्पोस्ट का सह विपणन भी करेंगी जो रसायन उर्वरक की क्षमता बढ़ाता है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत शहर के कचरे को कम्पोस्ट में परिवर्तित करने के लिए एक नीति भी सरकार द्वारा अनुमोदित हो गई है।

1 अप्रैल, 2015 की स्थिति के अनुसार, कुल 18,542 गांवों का विद्युतीकरण नहीं हुआ था। माननीय प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2015 को राष्ट्र को किए गए अपने सम्बोधन में यह घोषणा की थी कि शेष गांवों का विद्युतिकरण 1000 दिनों में कर लिया जाएगा।

23 फरवरी, 2016 तक, 5542 गांवो का विद्युतीकरण किया जा चुका है। यह पिछले तीन वर्षो में हासिल की गई कुल उपलब्धियों से भी अधिक है। सरकार 1 मई, 2018 तक शत-प्रतिशत गांवों में बिजली पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना और एकीकृत विद्युत विकास योजनाओं हेतु 8,500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। 1 मई, 2018 तक सभी गांव को पूर्णतया बिजली से जोड़ने का हमारी सरकार का संकल्प स्वागत योग्य है। केन्द्र में हमारी सरकार द्वारा सभी लक्ष्यों को तय कार्य सीमा में पूरा करने एवं उसकी समीक्षा करने का प्रावधान किया गया है।

केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री सड़क योजना में 27000 करोड़ रुपये का आवंटन करके ग्रामीण भारत के संपर्क को विकसित करने के प्रयास का राष्ट्रीय कार्यकारणी स्वागत करती है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी नार्थ-ईस्ट रोड डेवलपमेंट कारपोरेशन के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र की ग्रामीण सड़कों की सरकार की योजना का भी स्वागत करती है।

ग्रामीण क्षेत्र को रोजगार आधारित बनाना

केन्द्र में हमारी सरकार आने के बाद देश में रोजगार वृद्धि के अवसरों में वृद्धि करने का अभूतपूर्व प्रयास किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना के विकास करने से रोजगार की संभावनाओं को बल मिला है। जनधन योजना, मुद्रा योजना, डिजिटल लिट्रेसी के लिए अगले तीन वर्षो में छः करोड़ परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य ग्रामीण अर्थव्यस्था में नौजवानों को नए अवसर प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत अभी तक कुल 2 करोड़ 98 लाख लोगों का ऋण मंजूर किया गया है। मुद्रा योजना गांव के स्वरोजगार क्षेत्र में लगे युवाओं के लिए आशा का केन्द्र बनी है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, पानी, सड़क जैसी सुविधाओं को समयबद्ध तरीके से पहुंचाने की योजना विकास के क्षेत्र में नए आयामों को खड़ा करेगी। सरकार द्वारा कौशल विकास हेतु नए स्किल सेंटरों का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन में वृद्धि करेगा।

केन्द्र में हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में मनरेगा में न केवल रोजगार हेतु राशि की वृद्धि की है, अपितु उसका उपयोग वर्षा संचित क्षेत्रों में कम से कम 5 लाख फार्म तालाबों और कुओं तथा जैविक खाद के उत्पादन के लिए 10 लाख कम्पोस्ट गड्ढ़ों का निर्माण मनरेगा के अंतर्गत आबंटनों का लाभकर उपयोग करके किया जाएगा। दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय योजना द्वारा देश के आपदाग्रस्त ब्लाकों में जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों की सुनिश्चितता की भी योजना बनाई है।

केन्द्र में हमारी सरकार द्वारा कौशल विकास, मुद्रा, स्टार्ट अप, स्टैंड अप जैसी योजना भी रोजगार के अवसर को वृद्धि करेगी।

ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक सुरक्षा

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी हमारी सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक सुरक्षा के प्रयासों का स्वागत करती है। सरकार द्वारा जन धन खातों के माध्यम से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को बैंक से जोड़ा गया है। हमारी सरकार द्वारा अभी तक 21.31 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं। जिसमें 34,841 करोड़ रुपया जमा है तथा 1 लाख 26 हजार बैंक मित्र बनाये गए हैं। 9.39 करोड़ सुरक्षा बीमा पालिसी तथा 2.95 करोड़ जीवन ज्योति बीमा पालिसी की गई है। जीवन ज्योति, सुरक्षा बीमा एवं अटल पेंशन के माध्यम से हमारी सरकार द्वारा देश के गरीबों को सामाजिक सुरक्षा दी गई है। सरकार की नई स्वास्थ्य सुरक्षा स्कीम जिसमें प्रति परिवार एक लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान किया गया है, देश में गरीबी की रेखा के नीचे कमजोर परिवारों के लिए सामाजिक कल्याण का स्वागत योग्य कार्य है। सरकार का किफायती कीमत पर स्तरीय औषधियों को सुदूर क्षेत्रों तक प्रधानमंत्री जन औषधि के माध्यम से वितरण करवाने की कार्य योजना सभी कमजोर वर्गो के लाभ के लिए महत्वपूर्ण कार्ययोजना है। पार्टी की

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी हमारी सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक सुरक्षा के प्रयासों का स्वागत करती है। सरकार द्वारा जन धन खातों के माध्यम से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को बैंक से जोड़ा गया है। हमारी सरकार द्वारा अभी तक 21.31 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं। जिसमें 34,841 करोड़ रुपया जमा है तथा 1 लाख 26 हजार बैंक मित्र बनाये गए हैं। 9.39 करोड़ सुरक्षा बीमा पालिसी तथा 2.95 करोड़ जीवन ज्योति बीमा पालिसी की गई है।

राष्ट्रीय कार्यसमिति आवाह्न करती है कि देश के गरीबों की सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम को सभी पार्टी कार्यकर्ता एक मिशन के रूप में चला कर सामाजिक जीवन के परिवर्तन को गति प्रदान करे।

सशक्त पंचायती राज से ग्रामीण स्वराज

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी के प्रगतिशील संघवाद के संकल्प एवं विकेन्द्रित शासन व्यवस्था एवं भागीदारी को हमारी सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं के संसाधानों में चौदहवें वित्त आयोग के सिफारिशों के अनुरूप 228 प्रतिशत वृद्धि करके देश को ऐतिहासिक परिवर्तन की ओर बढ़ाने का कार्य किया है। सरकार द्वार 287 लाख करोड़ रुपया 2.5 लाख पंचायतों एवं नगरपालिकाओं को आगामी पांच वर्ष में देने का प्रावधान किया गया है। देश की सभी पंचायतों को इन वर्षो में 80 लाख रुपए तथा नगरपालिकाओं को 21 करोड़ रुपया विकास कार्य हेतु मिलेंगे। सरकार द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी रु-अर्बन मिशन के माध्यम से भी छोटे कस्बों में 5,142 करोड़ के राशि का आवंटन करके सामुदायिक विकास को बल दिया गया है।

ग्रामीण जीवनस्तर में परिवर्तन

देश में पांच करोड़ बीपीएल परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना द्वारा रसोई गैस सिलिण्डर देने का देश में कमजोर वर्ग के महिलाओं के हित में किया गया कार्यक्रम है। हमारी सरकार ने अपनी योजना में डिजिटल लिट्रेसी, ग्रामीण क्षेत्र में कौशल विकास, पोस्ट ऑफिस का एटीएम के रूप में उपयोग, स्वच्छता अभियान, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना, भूमि अभिलेखों का आधुनिकीकरण, सभी दस्तावेजों को स्वयं सत्यापन प्रणाली और समग्र ग्राम स्वराज अभियान देश के ग्रामीण क्षेत्र में नव परिवर्तन का आधार बना है। सरकार की योजनाओं से सुदूरवर्ती क्षेत्र में मछुआरों के जीवन में परिवर्तन आया है, वही भविष्य निधि कानून में परिवर्तन द्वारा देश के मजदूरों को भी राहत मिली है। यह स्वामी विवेकानंद के भारत के पुनर्निर्माण के स्वप्न के अनुकूल है।

देश में पांच करोड़ बीपीएल परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना द्वारा रसोई गैस सिलिण्डर देने का देश में कमजोर वर्ग के महिलाओं के हित में किया गया कार्यक्रम है। हमारी सरकार ने अपनी योजना में डिजिटल लिट्रेसी, ग्रामीण क्षेत्र में कौशल विकास, पोस्ट ऑफिस का एटीएम के रूप में उपयोग, स्वच्छता अभियान, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना, भूमि अभिलेखों का आधुनिकीकरण, सभी दस्तावेजों को स्वयं सत्यापन प्रणाली और समग्र ग्राम स्वराज अभियान देश के ग्रामीण क्षेत्र में नव परिवर्तन का आधार बना है।

ग्रामीण विकास को समावेशी एवं टिकाऊ विकास बनाना

केन्द्र में हमारी सरकार द्वारा देश के अंतिम छोर पर एवं सुदूरवर्तीय क्षेत्रों में इस सारी पहल को पारदर्शिता के साथ पहुंचाने के लिए 'आधार' के कानून को लाकर गरीबों को संसाधनों के पारदर्शी कानून को लाया गया है, परन्तु यह दुर्भाग्य का विषय है कांग्रेस एवं वामपंथी दलों ने इसका राजनैतिक दुराग्रह के आधार पर संसद में विरोध किया है। गरीबों को संसाधन की उपलब्धता कराने के लिए हमारी सरकार ने राजनीति से ऊपर उठाकर कार्य किया, परन्तु विपक्षी दलों द्वारा इसका राजनीतिक विरोध किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। देश में समावेशी विकास के लिए यह आवश्यक है कि संसाधनों की उपलब्धता पारदर्शी तरीके से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। आधार कानून के माध्यम से सरकार ने नई तकनीकि का इस्तेमाल करते हुए गरीबों के संसाधनों को सीधे उन तक पहुंचाने का एक बड़ा कदम उठाया है ताकि विकास की गंगा का लाभ अंतिम छोर तक पहुंच सके।

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार द्वारा भारत के ग्रामीण क्षेत्र के लम्बे समय से अपेक्षित विकास के कदमों का स्वागत करती है। यह बजट देश के विकास के मार्ग को आगे बढ़ायेगा। यह बजट देश के गरीबों में आर्थिक परिवर्तन के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। भारत के सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास समाज के हर वर्ग को देश की तरक्की में सहभागी बनने का अवसर प्रदान करता है।

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी गांव, गरीब, किसान को संकल्प से जुड़ने का आह्वान करती है ताकि सरकार के पारदर्शी एवं उत्तरदायी शासन के साथ जुड़कर देश के विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ायें और हम देश के हर नागरिक को सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार देने में कामयाब हो सके। ■

प्रस्ताव – 2

सुदृढ़ नेतृत्व, राष्ट्रवादी नीतियां और प्रगतिशील सरकार

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में 'सुदृढ़ नेतृत्व, राष्ट्रवादी नीतियां और प्रगतिशील सरकार' विषय पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव को केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री श्री एम. वेंकैया नायडू ने रखा और इसका समर्थन भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सुश्री सरोज पांडे ने किया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि पिछले वर्षों में भारत ने एक स्वच्छ, भ्रष्टाचार-मुक्त सरकार का अनुभव लिया है। आज हमारा देश स्थिरता और अवसर का केंद्र बन गया है। प्रस्ताव में संकल्प व्यक्त किया गया है कि भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर चलने वाले प्रगतिशील राष्ट्रवादी दल के रूप में अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाना चाहती है। हम इस प्रस्ताव का पूरा पाठ यहां प्रस्तुत कर रहे हैं :-

बाईस महीने के कार्यकाल में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गत दस वर्षों की संप्रग सरकार में व्याप्त अनिश्चितता, दिशाहीनता एवं उद्देश्यहीनता के दौर को समाप्त किया है। लंबे अंतराल के बाद एक दृढ़ सरकार का गठन हुआ है जो 'सबका साथ-सबका विकास' के मूलभूत सिद्धांत को लेकर 125 करोड़ देशवासियों को दिए गये आर्थिक और सामाजिक सहभागिता, स्वच्छ सरकार, सामाजिक न्याय, आधारभूत संरचना के विकास जैसे वायदों को पूरा करने में जुट गयी है। पिछले वर्षों में भारत ने एक स्वच्छ, भ्रष्टाचार-मुक्त सरकार का अनुभव लिया है। आज हमारा देश स्थिरता और अवसर का केंद्र बन गया है।

राष्ट्रवादः मूलभूत विश्वास

राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय एकता और अखंडता भाजपा के लिए मूलभूत विश्वास के सिद्धांत हैं। आज देश के अन्दर एक बहुत छोटा समुदाय जिस प्रकार की वाचालता का प्रदर्शन कर रहा है, वह अपने संविधान की मूल भावना के विपरीत है। इसमें कोई शक नहीं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता इस देश के संविधान द्वारा हर नागरिक को दी गयी है, लेकिन यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान की सीमाओं तक ही सीमित है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर भारत की बर्बादी की बात करना कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इसी प्रकार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर 'भारत माता की जय' कहने से इनकार करना भी स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हमारा संविधान 'इण्डिया' को भारत के रूप में दर्शाता है, ऐसे में 'भारत माता की जय' को स्वीकार नहीं करना, संविधान का अपमान करने जैसा ही है। 'भारत माता की जय' हमारे लिए सिर्फ एक नारा मात्र नहीं है, यह आजादी के आन्दोलन में असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के लिए प्रेरणा का एक मन्त्र भी रहा है। यह करोड़ों देशवासियों के हृदय का स्पंदन भी है।

यह नारा प्राथमिक तौर पर संविधान के प्रति अपने दायित्वों की पुनरावृति भी है। भाजपा यह स्पष्ट करना चाहती है कि भारत का अपमान करने अथवा इसकी एकता और अखंडता को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का लक्ष्य एक अरब से अधिक भारतीयों की अपेक्षाओं को आर्थिक सहभागिता, सामाजिक न्याय और आधारभूत विकास के जरिये उनके मूलभूत दर्शन 'सबका साथ-सबका विकास' के तहत पूरा करना है। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार आर्थिक सहभागिता कार्यक्रम को मिशन बनाकर पूरा किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा

देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार की तरफ से उठाए गए प्रतिबद्ध कदमों का भारतीय जनता पार्टी स्वागत करती है। पठानकोट आतंकी हमले के समय सरकार की तरफ से शीघ्र और समन्वयकारी कदम उठाने के चलते आतंकियों को बहुत जल्दी मार गिराया गया। इससे आतंकवाद को लेकर हमारी सरकार 'जीरो टोलरेंस' नीति का सन्देश देने में सफल रही। भारत-म्यांमार सीमा पर एनएससीएन(के) विद्रोहियों का मुहतोड़ जवाब दिया जाना इस बात का प्रमाण है कि हमारी सरकार आतंकवाद पर जवाबी कार्रवाई करने के लिए ठोस उपायों के साथ तैयार है। नगा उग्रवादी आंदोलन के नेताओं के साथ हुए शांति समझौते ने शांति प्रक्रिया को मजबूत करने का काम किया है। काफी वर्षो की अशांति के बाद इस समझौते ने यह उम्मीद जगाई है कि पूर्वोत्तर में अब शांति का माहौल वापस आएगा। पूर्वोत्तर, भारतीय जनता पार्टी की सरकार को शांति, विकास और परिवर्तन के आशा के केंद्र के रूप में देखने लगा है। सरकार ने देश में उग्र-वामपंथियों एवं नक्सलियों द्वारा की जा रही हिंसा पर नियंत्रण करने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्रीजी ने स्वयं छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और विकास परियोजनाओं की शुरुआत की है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर सरकार की समग्र नीति का भाजपा प्रशंसा करती है, जिसके अंतर्गत सीमा सुरक्षा को मजबूत करना और आधारभूत संरचना, समुद्री तैयारियों के उन्नयन, गुप्तचर विभाग के सामर्थ्य को बढ़ाना और सैन्य बल के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहना, जैसी बातें हैं। दशकों से लम्बित वन रैंक-वन- पेंशन के मुद्दे को हमारी सरकार ने सुलझाया और अमल भी किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर सरकार की समग्र नीति का भाजपा प्रशंसा करती है, जिसके अंतर्गत सीमा सुरक्षा को मजबूत करना और आधारभूत संरचना, समुद्री तैयारियों के उन्नयन, गुप्तचर विभाग के सामर्थ्य को बढ़ाना और सैन्य बल के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहना, जैसी बातें हैं। दशकों से लम्बित वन रैंक-वन-पेंशन के मुद्दे को हमारी सरकार ने सुलझाया और अमल भी किया। हमारी सरकार आईएएफ(IAF) में बतौर लड़ाकू पायलट महिलाओं अधिकारियों को शामिल करने का अनुमोदन पहले ही कर चुकी है और जल एवं थल सेना में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है ।

जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, सियाचीन जैसे संवेदनशील क्षेत्रों सहित देश की सीमाओं की रक्षा में लगे और आक्रान्ताओं से भारत की संप्रभुता की रक्षा करने वाले हमारी सेनाओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार द्वारा किये गए प्रयासों की पार्टी सराहना करती है। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों द्वारा देशहित में किए गए योगदान के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। हमारी सरकार सीमावर्ती इलाकों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए काम कर रही है जिसकी वजह से उन इलाकों में रहने वाले लोगों का जीवन स्तर सुधर सकेगा। यह कदम हमारे लिए राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहतर है। सीमाओं की रक्षा में बलिदान हुए वीर जवानों के प्रति भाजपा श्रद्धा अर्पित करती है।

हमारी सरकार एक प्रगतिशील रक्षा खरीद प्रणाली को अमली जामा पहनाने जा रही है, जो रक्षा उद्योग के अन्दर स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगा और हमारे सैन्य बलों को अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों से लैस करेगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस द्वारा निहित स्वार्थ में उठाये गये संकुचित कदमों की, भाजपा कड़े शब्दों की निंदा करती है। इशरत जहां मामले में आए नए खुलासों ने तुच्छ राजनीतिक फायदों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर समझौता करने के कांग्रेस पार्टी की क्षुद्र भूमिका को उजागर कर दिया है। इसके बावजूद भी कांग्रेस पार्टी में खेद और अंतर्विवेचना नहीं दिखती है। इनके नेता आज भी देश की बर्बादी और विध्वंस चाहने वाले अलगाववादियों और उग्र-वामपंथी तत्वों के साथ कंधे से कंधा मिलाए दिखते हैं।

गरीबी उन्मूलन के प्रति संकल्पित

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी केंद्र सरकार को समाज में परिवर्तनकारी और संरचनात्मक बदलाव लाने के लिए बधाई देती है। साथ ही, कार्यकारिणी सरकार को अर्थव्यवस्था में सामाजिक और सामुदायिक स्तर पर विकास करने के लिए भी बधाई देती है। देश की आधारभूत संरचना को बेहतर बनाने के लिए लाई गई सरकारी योजनाएं, जैसे- आदर्श ग्राम योजना, स्मार्ट सिटी, प्रधानमंत्री आवास योजना, गांवों का विद्युतीकरण, डिजिटल कनेक्टिविटी,

फसल बीमा योजना, व्यापार करने में आसानी के लिए योजना, मुद्रा योजना, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, पहल, जैम त्रयी (जन धन योजना, आधार नंबर, मोबाइल नंबर), इंट्रोडक्शन ऑफ बैंकरप्सी कोड बिल, रियल स्टेट और वाटरवेज बिल्स को पास करवाना, प्रधानमंत्री उज्ज्वल योजना, स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय बनवाना, मनरेगा का नवीनीकरण और विस्तार- ये सभी आम जन केंद्रित विकास मॉडल की तरफ लेकर जाती हैं, जो एकात्म मानववाद के साथ साम्य रखती हैं, जो भारतीय जनता पार्टी का राजनीतिक दर्शन भी है। सम्पर्क त्रयी- सड़क सम्पर्क, बिजली कनेक्टिविटी, डिजिटल कनेक्टिविटी, हमारी सरकार की योजनाओं में प्राथमिकता से शामिल हैं। हमारी सरकार की प्रतिबद्धता यूपीए की तरह गरीबी पर राजनीति करना नहीं बल्कि समाज से गरीबी का सम्पूर्ण उन्मूलन करना है।

ग्रुप-D, C और B के नॉन-गजेटेड पदों की नियुक्तियों में भ्रष्टाचार को समाप्त करने और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार ने इंटरव्यू प्रणाली को समाप्त किया है। हमारी सरकार द्वारा राजपत्रित अधिकारियों के हस्ताक्षर की अनिवार्यता को समाप्त करने का निर्णय देश के युवाओं के प्रति सरकार के विश्वास को दर्शाता है।

वर्षा में कमी के बावजूद सरकार मुद्रा-स्फीति को नीचे लाने में सफल हुई है। देश भर में जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई जैसे कदम उठाकार मूल्य-वृद्धि पर अंकुश लगाने में सरकार सफल रही है। एक ऐसा समय जब दुनिया मंदी के दौर से गुजर रही है, ऐसे में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आशा और विश्वास के प्रकाश स्तम्भ के तौर पर खड़ा है। यही वजह है कि बढ़ोत्तरी के साथ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 38 फीसद तक पहुंचा है, जो भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में योगदान कर रहा है। काले धन को वापस लाने का भी सख्त कदम सरकार ने उठाया है। सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरुप कई देश इस विषय में मदद करने के लिए आगे आ रहे हैं।

सहभागिता और एकात्मकता : सामाजिक न्याय का आधार

सरकार द्वारा 26 नवंबर 2015 को डॉ. भीम राव अंबेडकर की 125वीं वर्षगांठ को संविधान दिवस के रूप में मनाए जाने के निर्णय का भारतीय जनता पार्टी स्वागत करती है। संविधान निर्माण में डॉ. भीम राव अम्बेडकर के महत्वपूर्ण योगदान को कांग्रेस ने हमेशा ही नजरअंदाज किया है। यह सिर्फ भाजपा नीत हमारी सरकार के शासन के दौरान संभव हो सका कि बाबा साहब द्वारा राष्ट्र को दिए गए इस इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनका सम्मान किया गया है। पिछले दो दशकों से लटके पड़े अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर का निर्माण कार्य शुरू करवाने के लिए भाजपा सरकार को बधाई देती है। पार्टी महाराष्ट्र सरकार द्वारा बाबा साहब के लंदन वाले घर को खरीदे जाने की भी सराहना करती है। इस घर को बाबा साहब के नाम पर संग्रहालय मे तब्दील कर दिया गया है। इस संग्रहालय का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्रीजी ने उनकी नवम्बर-2015 के युनाइटेड किंगडम की यात्रा के दौरान किया था।

महिलाओं की सुरक्षा एवं उनका सशक्तिकरण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताओं में है। वे लाल किले की प्राचीर से दिए अपने प्रथम भाषण में महिला नेतृत्व के सशक्तिकरण की बात भी कह चुके हैं। इसी मुद्दे को इंगित करते हुए उन्होंने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' और शौचालय निर्माण की बात कही थी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के मुद्दे एक बड़े समुदाय को जागरूक भी करते रहे हैं।

सरकार द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति हब बनाने के निर्णय की भाजपा सराहना करती है। यह इसलिए संभव हो पाया क्योंकि सरकार दलित इंडियन चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई) के साथ सकारात्मक सहयोग रखकर एससी, एसटी नवउद्यमियों के लिए काम कर रही है। कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां बीते 67 वर्षों के दौरान समाज के कमजोर तबकों को मजबूत कर पाने में विफल रही हैं। हालांकि इन दलों ने इनके विकास की बातें तो बहुत की हैं। हरियाणा में हाल में हुई कुछ वारदातों ने यह जगजाहिर कर दिया कि कैसे कांग्रेस के राजनेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए निर्लज्ज होकर समाज में जातीय हिंसा करवा सकते हैं।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की धरोहर को दिया सम्मान

भारतीय जनता पार्टी नेताजी सुभाष चंद्र बोस से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक किए जाने के सरकारी निर्णय का भरपूर स्वागत करती है। इस ऐतिहासिक कदम के जरिये सरकार ने उन करोड़ों राष्ट्र भक्त भारतीयों की आकांक्षाओं को परिपुष्ट किया जो नेताजी को ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ाई में अमर प्रतीक के तौर पर देखते हैं। कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों ने नेताजी की धरोहर को अपने तुच्छ राजनीतिक फायदों के लिए इस्तेमाल तो किया। परन्तु

जानबूझकर और संकीर्ण कारणों की वजह से नेताजी से संबंधित फाइलें को सार्वजनिक किये जाने संबंधी लोगों की इस सही मांग को हमेशा ठुकराया।

पंचामृतः विदेश नीति

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पंचामृत फ्रेमवर्क के आधार पर सरकार में गतिशीलता, साहस, स्पष्ट दृष्टि और दिशा लेकर आए हैं। इस फ्रेमवर्क में सम्मान, संवाद, समृद्धि, सुरक्षा, संस्कृति एवं सभ्यता को लेकर पिछली राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विदेश नीति से सम्बंधित प्रस्ताव लाया गया था।

भारत के पड़ोसी देशों के साथ सक्रिय संवाद, क्षेत्रीय सहयोग के मामले में नई ऊर्जा और तेजी आई है, जिसने दक्षिण एशियाई देशों को भारत की साख के बारे में बेहतर सोच और मजबूती प्रदान की है। लंबे समय से बांग्लादेश के साथ चल रहे सीमा विवाद की समाप्ति और प्रधानमंत्री की मई 2015 मे बांग्लादेश की यात्रा ने दोनों देशों के बीच एक नई साझीदारी की शुरुआत की है। बांगलादेश, भूटान, भारत और नेपाल के बीच हुए महत्वपूर्ण बीबीआईएन समझौते की वजह से गठजोड़ में तेजी आएगी। इस संधि ने सार्क को एक नया आयाम दिया है।

भारत के पड़ोसी देशों के साथ सक्रिय संवाद, क्षेत्रीय सहयोग के मामले में नई ऊर्जा और तेजी आई है, जिसने दक्षिण एशियाई देशों को भारत की साख के बारे में बेहतर सोच और मजबूती प्रदान की है। लंबे समय से बांग्लादेश के साथ चल रहे सीमा विवाद की समाप्ति और प्रधानमंत्री की मई 2015 मे बांग्लादेश की यात्रा ने दोनों देशों के बीच एक नई साझीदारी की शुरुआत की है।

प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक श्रीलंका यात्रा ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाने में मदद की है। श्री नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री बने, जिन्होंने युद्ध पीड़ित जाफना की यात्रा की और साथ ही उत्तरी प्रांत के लोगों से बातचीत की। उत्तरी प्रांत के तमिल लोगों सहित पूरे श्रीलंका की जनता ने हमारे प्रधानमंत्री की यात्रा की सराहना की।

मई 2015 में नेपाल में आए विध्वंसकारी भूकंप के दौरान भारत ने नेपाल के लोगों की मदद की। यह समय नेपाल के लिए बेहद त्रासदी का समय था। भारत का यह कदम उसके पड़ोसियों की आर्थिक समृद्धि, विकास, मानविकी सहयोग और स्थिरता के लिए उसके समर्पण को दर्शाता है। भारत और नेपाल के बीच हजारों साल पुरानी संस्कृति और सभ्यता के सम्बन्ध रहे हैं। कुछ एक मतभेदों की परवाह किये बगैर हमारी सरकार ने इन संबंधों को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्धता जाहिर की है।

यूपीए के शासन के दौरान लगभग खत्म हो चुके अफगानिस्तान-भारत संबंधों में भी भारत उस देश की शांति, प्रगति और विकास के मामले में एक मजबूत सहयोगी बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री की पाकिस्तान यात्रा ने दोनों देशों के बीच शांति और वार्ता के संकल्प को और सुदृढ़ किया है।

भारतीय जनता पार्टी आदरणीय प्रधानमंत्री के दूरगामी सोच एवं कल्पनाशीलता का स्वागत करती है, जिसमें वे अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाने एवं विश्व में भारत की स्थिति को मजबूत करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उनका यह कदम भारत की स्थिति को पूरी दुनिया में मजबूत करता है और पड़ोसी देश और जनता के साथ सहयोगी संबंधों को भी बेहतर करता है।

बीते दो वर्षो के दौरान वैश्विक स्तर पर कई देशों के साथ सकारात्मक संबंधों के लिए हमारी सरकार द्वारा चलाई गई मुहिम का संयुक्त राष्ट्र में असर दिखा। भारत द्वारा प्रस्तावित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी भी मिली और दुनिया के तमाम देशों ने इसे स्वीकार भी किया और इसका पुरजोर समर्थन भी किया। हमारी सरकार की अन्तराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता है। हमारी सरकार के प्रयासों ने पेरिस में हुए सीओपी-21 सम्मेलन के दौरान अपना परिणाम दिखाया। इस सम्मेलन में भारत ने क्लाइमेट जस्टिस और सस्टेनेबल कंजप्सन की जरूरत की वकालत की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने नेतृत्व में दुनिया के 121 देशों को एक मंच पर लाकर इंटरनेशनल सोलर एलांयस बनाने का शुभारम्भ किया। इसका मुख्यालय हरियाणा के गुड़गांव में स्थित है।

भारतीय जनता पार्टी, सरकार की उस महत्वपूर्ण पहल की भी प्रशंसा करती है जिसमें 2015 में हुए इण्डिया-अफ्रीका समिट में अफ्रिका के सभी राष्ट्राध्यक्ष सम्मिलित हुए एवं एशिया-पैसिफिक के राष्ट्राध्यक्ष एशिया-पैसिफिक समिट में शामिल हुए। इस पहल ने भारत की स्थिति को विश्व के इन क्षेत्रों में और मजबूत किया है। एक्ट ईस्ट को लेकर उठाए गये सरकार के कदम और आसीयान देशों के साथ ज्यादा मेलजोल ने न सिर्फ आर्थिक संबंधों को बेहतर बनाने में मदद किया है बल्कि हमारी हजारों साल पुरानी सभ्यता की कड़ी

को नई ऊर्जा देने का काम भी कर रहा है।

दुनिया के किसी भी कोने में इस समय रह रहे भारतीयों को लेकर सरकार की संवेदनशीलता के लिए भारतीय जनता पार्टी सरकार को धन्यवाद देती है। ऑपरेशन राहत के जरिये भारत सरकार ने यमन में फंसे चार हजार भारतीयों और प्रतिकूल परिस्थितियों में फंसे एक हजार विदेशी लोगों को सकुशल बाहर निकाला। दुनिया में कहीं भी रह रहा भारतीय इस समय इस बात को लेकर आश्वस्त है कि उसके देश में एक ऐसी सरकार है जो उसकी चिंता करती है।

पूरे भारत में विस्तार

अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रेरणादायी नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी, विशाल सदस्यता अभियान चलाकर 11 करोड़ प्राथमिक सदस्यों वाली दुनिया की सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरी है। एक तरह से भाजपा एकमात्र देशव्यापी राष्ट्रीय दल के रूप में उभरी है जबकि कांग्रेस सहित तमाम दल कुछ क्षेत्रों तक सीमित हो चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी प्रशिक्षण अभियान के जरिए अपने सदस्यों तक अपनी विचारधारा को भी पहुंचाने में कामयाब रही है। भाजपा इस समय भारत के सभी हिस्सों तक अपना प्रसार कर चुकी है। गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक पार्टी का विस्तार हो चुका है।

देश भर के निकाय चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पार्टी असम, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, केरल, गोवा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में विजेता बनकर उभरी है। असम के म्युनिसिपल चुनावों में भाजपा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और वहां के सत्तासीन दल कांग्रेस से ज्यादा सीट प्राप्त किया। केरल निकाय चुनावों में भी भाजपा ने संतोषजनक सीटें हासिल करके पहली बार वहां की लम्बे समय के राजनीतिक समीकरणों के लिए चुनौती उत्पन्न की है। तकरीबन दो दशकों के अंतराल के बाद भाजपा मणिपुर की विधानसभा में 2 सीटें हासिल कर जगह बनाने में कामयाब रही और वहां के निकाय चुनावों में भी संतोषजनक परिणाम देने में सफलता प्राप्त की। भारतीय जनता पार्टी ने 'लेह लद्दाख ऑटोनोमस हिल डेवलपमेंट काउंसिल' में जबरदस्त जीत हासिल की।

भाजपा ने इंटरनेशनल डेमोक्रेटिक यूनियन (IDU) की सदस्यता ली है। इस यूनियन में दुनियाभर के 80 लोकतांत्रिक राजनीतिक दल शामिल हैं जो उदारवादी लोकतंत्र और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को लेकर पूरी तरह से समर्पित हैं।

भाजपा की सतत रफ्तार को रोकने की छटपटाहट में कांग्रेस और वामपंथी दल सहित कई विपक्षी पार्टियों ने चौंकाने वाले सियासी गठबंधन किए। कांग्रेस पार्टी पश्चिम बंगाल में वामपंथी पार्टियों के साथ गठबंधन करती है जबकि केरल में वह उनका विरोध करती है। ठीक यही काम वामपंथी पार्टियां भी कर रही हैं। कांग्रेस और वामपंथी दलों ने हताशा में आकर कर्नाटक, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल में क्रूरता के साथ भाजपा एवं संघ परिवार के खिलाफ राजनीतिक हिंसा की है। केरल में लम्बे समय से वामपंथी स्टालिनवादी हिंसा का सहारा लेकर भाजपा एवं संघ परिवार के कई कार्यकर्ताओं की क्रूरता से हत्या करते आ रहे हैं।

हमारी सरकार की परिवर्तनकारी योजनाओं, जिनमें जीएसटी बिल आदि शामिल है, को रोकने के लिए कांग्रेस सहित कुछ अन्य विपक्षी पार्टियों ने सदन की कार्रवाई को बाधित किया और तर्कहीन विरोध किया है। इसने भारत के हितों का बहुत नुकसान किया है। भाजपा स्पष्ट रूप से सचेत करना चाहती है कि इस तरह की गतिरोध की राजनीति हमारे लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है, इसे देश की जनता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा विपक्ष सहित कांग्रेस पार्टी से अपील करती है कि वे रचनात्मक रवैया अपनाएं और सरकार के लोकहितकारी सुधार एवं एजेंडा का समर्थन करें।

भाजपा देश का एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है, जहां कोई भी व्यक्ति बिना किसी बड़े पारिवारिक पृष्ठभूमि अथवा किसी राजनीतिक परिवार से जुड़ाव के, शीर्ष तक पहुंच सकता है। हाल ही में सम्पन्न हुए राष्ट्रीय एवं राज्यों की इकाइयों के अध्यक्ष आदि के चुनाव पार्टी के अंदर के आंतरिक मजबूत लोकतंत्र को दर्शाते हैं। आज भाजपा आशाओं के भारत का प्रतिबिम्ब बनकर उभरी है। भाजपा देश के युवाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की सबसे बड़ी वाहक बनकर उभरी है। भाजपा के नेतृत्व से देश का युवा अभिप्रेरित होकर अपना मार्ग प्रशस्त कर रहा है। भाजपा देश के देशभक्त नागरिकों का सहज गंतव्य है। भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर चलने वाले प्रगतिशील राष्ट्रवादी दल के रूप में अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाना चाहती है।

भविष्य की चुनौतियों को लेकर भाजपा न सिर्फ आशान्वित है, बल्कि पूरी तरह से आश्वस्त भी है कि माननीय श्री नरेंद्र मोदीजी के बहुआयामी नेतृत्व में हम देश को सुशासन देने में कामयाब होंगे। ■

राष्ट्रवाद भाजपा की सबसे बड़ी ताकत : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रवाद को भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए 20 मार्च को पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे विपक्ष के दुष्प्रचार की परवाह किए बिना सरकार की योजनाओं को जनता के बीच ले जाने के लिए तन मन धन से काम करें।

श्री मोदी ने नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक में अपने समापन भाषण में कहा कि सरकार का विकास कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है और वे व्यर्थ के मुद्दे उछालकर सरकार के कामकाज को जनसामान्य तक नहीं पहुंचने दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को इस दुष्प्रचार से अप्रभावित रहकर सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री राजनाथ सिंह ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को बताया कि श्री मोदी ने विकास को अपनी सरकार का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि केवल इसी से देश की सभी समस्याओं का हल हो सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार सही दिशा में आगे बढ़ रही है, देश में बदलाव आ रहा है और विकास का चक्का तेजी से घूम रहा है।

श्री मोदी ने भाजपा के संगठन में हुए विस्तार की तारीफ करते हुए कहा कि पिछला वर्ष इस मायने में खास रहा और पार्टी का देश के दूरदराज के इलाकों तक विस्तार हुआ है। उन्होंने

कहा कि पार्टी का क्षितिज विकास तो हो गया है लेकिन अब कार्यकर्ताओं के क्षमता निर्माण की जरूरत है ताकि वे देश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। कार्यकर्ताओं को रचनात्मक सोच के साथ समाज के सभी वर्गों के साथ जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए।

पार्टी कार्यकर्ताओं से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों से जुड़ने का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जमीन से जुड़े मुद्दे उठाते थे और उन्हें आजादी की लड़ाई से जोड़ते थे। आजादी की लड़ाई के लिए जनाधार ऐसे ही कार्यक्रमों से बढ़ा था।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को बजट में घोषित योजनाओं जैसी बातों के अलावा छोटी-छोटी बातें भी जनता तक पहुंचानी चाहिए। जैसे मॉल दिनरात खुले रहते हैं तो क्या छोटी दुकानों को भी देर रात तक और सप्ताह में सातों दिन खोला जा सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के 68 सालों बाद भी 18500 गांव में बिजली वंचित थे। सरकार ने 31 मार्च 2017 तक सभी गांवों में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इनमें से 6500 गांवों में बिजली पहुंचायी जा चुकी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से ऐसे गांवों में जाकर गांववालों के साथ ऊर्जा उत्सव मनाने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने कहा कि पार्टी को एक विशाल वटवृक्ष की तरह विकसित किया जाना चाहिए जिसकी जड़ें बहुत गहरी होती हैं तथा उसकी शाखाएं छाया और शीतलता प्रदान करती हैं। संगठन का ऐसा ही स्वरूप होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर खुशी जतायी कि सरकार और संगठन कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहे हैं। मुद्रा योजना की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं को इसके लाभार्थियों से मिलना चाहिए और अगर उन्हें कोई कठिनाई है तो इस बारे में जानकारी हासिल करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं को समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ ही सभी वर्गों तक पहुंचने की कोशिश करनी चाहिए और इसके लिए तकनीक का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को तकनीक की समझ विकसित करनी चाहिए क्योंकि देश के विकास में तकनीक की अहमियत दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इसकी जानकारी होने से कार्यकर्ता जनभावनाओं से भी अवगत हो सकेंगे। ■

एक भारत, श्रेष्ठ भारत की ओर...

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल ने महामंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस प्रतिवेदन में 23 जनवरी 2013 से 24 जनवरी 2016 के बीच संपन्न संगठनात्मक कार्यक्रम एवं चुनाव परिणाम से संबंधित विवरण शामिल हैं। इस अवधि में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के नेतृत्व में जहां पार्टी के 11 करोड़ सदस्य बने और यह संगठनात्मक रूप से अत्यंत सशक्त हुई वहीं श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ। हम यहां महामंत्री प्रतिवेदन का क्रमशः पूरा पाठ प्रकाशित करेंगे। प्रस्तुत है पहला पाठः

भारतीय जनता पार्टी देश में आज जनाकांक्षाओं की प्रतीक बनकर उभरी है। भाजपा को न केवल चुनावों में जनता का अद्भुत विश्वास प्राप्त हुआ है, बल्कि आज यह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भी बन गयी है। 'सबका साथ-सबका विकास' एवं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीन दशकों बाद किसी पार्टी को केन्द्र में पूर्ण बहुमत मिला है।

कांग्रेस को अब तक की सबसे करारी हार मिली है और मात्र 44 सीटों के साथ विपक्ष में है। 23 जनवरी 2013 को श्री राजनाथ सिंह के अध्यक्ष निर्वाचित होने के साथ कांग्रेस के कुशासन एवं भ्रष्टाचार के विरूद्ध कई वर्षों से चले आ रहे अभियान को भाजपा ने गति दिया।

गोवा कार्यकारिणी में श्री नरेन्द्र मोदी केन्द्रीय चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष बने तथा 13 सितंबर को भाजपा के प्रधानमंत्री प्रत्याशी घोषित हुए। पार्टी को चारों ओर से जबरदस्त जनसमर्थन प्राप्त हुआ। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी पार्टी समर्पित भाव से 2014 के चुनावी यज्ञ में लग गई। भारी बहुमत से श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और दिन-रात देश की सेवा में लगे हुए हैं।

भाजपा नीत राजग की सरकार बनने पर पार्टी के हर कार्यकर्ता का दायित्व भी बढ़ गया है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के अथक प्रयासों से आज हम विश्व की सबसे बड़ी पार्टी हैं और अनेक संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं प्रकल्पों के माध्यम से इस देश के गांव, गरीब, किसान, वंचित, पिछड़े एवं दलितों की सेवा के प्रति कृतसंकल्प हैं।

पिछले तीन वर्षों में भाजपा ने नया इतिहास लिखा है और पार्टी जनाकांक्षाओं एवं जनविश्वास पर खरी उतरी है। इन तीन वर्षों में पार्टी ने नई ऊंचाइयां छुई हैं और कई अभिनव प्रयोग कर समृद्ध, सुदृढ़ एवं सशक्त भारत की नींव रखी है।

गोवा कार्यकारिणी बैठक

08-09 जून, 2013 को गोवा में संपन्न राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में श्री नरेन्द्र मोदी को केन्द्रीय चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया गया तथा उनके नेतृत्व में सफल चुनाव प्रबंधन हेतु 20 प्रकार की केन्द्रीय चुनाव अभियान समितियां गठित की गयीं।

एक-एक विषय पर सूक्ष्म रूप से विचार करके इन समितियों को वृहद एवं व्यापक बैठकें एवं कार्ययोजना तैयार की गई।

तालेगांव, गोवा में ही 09 जून 2013 को कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को कांग्रेस मुक्त करने का आह्वान किया।

पठानकोट रैली

इसके तुरन्त बाद 23 जून 2013 को डा. श्यामा प्रसाद मुकर्जी के बलिदान दिवस पर पठानकोट में श्री नरेन्द्र मोदी ने एक विशाल रैली को संबोधित किया तथा अटल बिहारी वाजपेयी की नीतियों के अनुरूप कश्मीर पर मलहम लगा विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की बात की। स्मरण रहे कि इसी स्थान से 11 मई 1953 को जम्मू-कश्मीर में बिना परमिट प्रवेश करते हुए डा. श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने एक जनसभा को संबोधित किया था तथा बाद में जम्मू-कश्मीर प्रवेश करते समय उन्हें गिरफ्तार किया गया एवं 23 जून 1953 को जेल में ही उनका बलिदान हो गया।

श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री प्रत्याशी घोषित

13 सितंबर 2013 को पार्टी द्वारा श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी घोषित हुए। पूरे देश में इससे आशा एवं उत्साह का वातावरण निर्माण हुआ। इस कदम का पूरे देश में स्वागत हुआ और पार्टी कार्यकर्ता पूरे उमंग से चुनाव की तैयारी में लग गये।

पूर्व सैनिक रैली, रेवाड़ी (हरियाणा)

15 सितंबर 2013 को श्री नरेन्द्र मोदी ने रेवाड़ी, हरियाणा में पूर्व सैनिकों की ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित किया। भारतीय सेना की गौरवशाली इतिहास पर गर्व प्रगट करते हुए उन्होंने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति से ही एक सुरक्षित राष्ट्र एवं उत्कृष्ट सेना का निर्माण हो सकेगा। इस रैली में लाखों की संख्या में शामिल पूर्व सैनिकों का उत्साह देखते ही बनता था।

विधानसभा चुनावों में जबर्दस्त प्रदर्शन

आने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जनता ने भाजपा के लिए रास्ता साफ करना शुरु कर दिया। भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस को करारी शिकस्त दी। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने हैट्रिक जीत दर्ज की, राजस्थान में भाजपा की शानदार वापसी हुई, दिल्ली में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस को केवल मिजोरम में जीत हासिल हो सकी। 8 दिसम्बर को आए चुनाव परिणामों से देश भर में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर थी, वे ढोल नगाड़े बजाकर मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज कर कांग्रेस का सफाया कर दिया। प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा जनादेश हासिल कर भाजपा ने कांग्रेस को जोरदार शिकस्त दी। राज्य की दो सौ विधानसभा सीटों में 199 पर हुए चुनाव के नतीजों में कांग्रेस का एक तरह से सूपड़ा ही साफ हो गया। भाजपा ने 162 सीटें जीत कर कांग्रेस को सिर्फ 21 पर ही समेट दिया।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस चारों खाने चित्त हो गई। यह पहला मौका है, जब किसी पार्टी ने प्रदेश में लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल की है। भाजपा को 165 सीटों पर विजय हासिल हुई, जबकि प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस 58 के आंकड़े पर सिमट गई।

छत्तीसगढ़ में भाजपा बहुमत हासिल कर लगातार तीसरी बार सत्ता में पहुंची। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की अगुआई में पार्टी ने विधानसभा चुनाव में 90 सीटों में 49 पर जीत हासिल की। कांग्रेस को 39 सीटों पर जीत मिली।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 31 सीटें जीतकर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 28 सीटें जीतकर आम आदमी पार्टी दूसरे स्थान पर रही। कांग्रेस को आठ सीटों से संतोष करना पड़ा।

विशाल चुनाव अभियान

15 सितंबर से 10 मई तक एक लोकतंत्र के चुनावी इतिहास में सबसे बड़ा जनसंपर्क अभियान श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चला। श्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न माध्यमों से एक बहुत ही जीवंत प्रचार अभियान चलाया जिसके अंतर्गत 5827 रैलियों/कार्यक्रमों/घटनाओं/3-डी/चाय पे चर्चा का आयोजन हुआ।

इस विशाल चुनाव अभियान की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- तीन लाख किलोमीटर से अधिक का दौरा किया।
- 25 से अधिक राज्यों का दौरा किया।
- प्रत्येक राज्य के लिए अद्वितीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।
- 3-डी रैलियों और चाय पे चर्चा आदि नवीनतम प्रयोगों से अत्यधिक जीवंत हो गया चुनाव प्रचार।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे- व्हाट्सअप, ट्वीटर, फेसबुक का व्यापक उपयोग।
- मोबाईल तकनीक द्वारा लाईव टॉक एवं युवा टीवी के माध्यम से जनसंपर्क।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ कई इंटरव्यू किए गये।

जम्मू से कन्याकुमारी एवं अमरेली से अरुणाचल प्रदेश तक के तीन लाख किलोमीटर तक के उनके अथक यात्रा का

विवरण निम्न है:

प्रारंभिक रैलियां	38
भारत विजय रैली	196
अन्य रैलियां एवं कार्यक्रम	241
3डी रैलियां	1350
चाय पे चर्चा	4000
वडोदरा एवं वाराणसी में रोड शो	2
कुल	**5827**

यह अपने आप में एक विराट, व्यापक एवं विविध चुनाव अभियान था जिसमें अनेक अभिनव प्रयोग किये गये। श्री नरेन्द्र मोदी का दिन सुबह 5 बजे से शुरू होता था और कभी-कभी आधी रात तक चलता था। हर दिन अनेक सभाओं को संबोधित कर रात को वापस गांधीनगर जाना और फिर दूसरे दिन सुबह 5 बजे से शुरू करना श्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा एवं समर्पण का परिचायक है। उन्होंने ठीक ही कहा था, ''मैं दौड़ रहा हूं, जनता का प्यार दौड़ा रहा है। न थका हूं, न रूका हूं और देश विरोधी ताकतों के सामने झुकने का तो सवाल ही नहीं है।''

लोकसभा चुनाव परिणाम

16 मई को चुनाव परिणाम घोषित हुए। यह जनादेश वास्तव में अद्‌भुत था। माननीय नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनावी सफलता की दृष्टि से अभूतपूर्व रहा है। लोकसभा चुनावों में पिछले 30 वर्षों में पहली बार किसी एक दल को 272 से ज्यादा सीटों के साथ बहुमत मिला है। भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 543 में से 336 सीटें मिली हैं, जिनमें से भाजपा को 282 सीटें मिली।

इस बार पहली बार हुआ कि 6 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों में सभी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के ही सांसद चुने गए हैं। गुजरात, दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड और गोवा में भारतीय जनता पार्टी ने शत-प्रतिशत सीटों पर विजय प्राप्त की है। चंडीगढ़, अंडमान-निकोबार, दादर नगर हवेली एवं दमन-द्वीव के केन्द्र शासित राज्यों में भी भाजपा के ही सांसद चुने गए हैं। देश में लम्बे समय से प्रभाव रखने वाली कांग्रेस पार्टी की हार हुई है और भारत के एक बड़े भाग में भाजपा के प्रभाव का विस्तार हुआ है।

कांग्रेस को लोकसभा में सिर्फ 44 सीटें मिली हैं और यूपीए को कुल मिलाकर 58 सीटें ही मिली हैं। वोट प्रतिशत की दृष्टि से देखें तो भाजपा को 31 प्रतिशत वोट मिले हैं जबकि कांग्रेस को केवल 19.3 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। कांग्रेस पार्टी, जो हमारा मुख्य विपक्षी दल है अब इस स्थिति में है कि उसका आधार सिमट गया है। यह अवसर भाजपा के विस्तार, सुदृढ़ीकरण एवं भाजपा सरकार के सुशासन के प्रसार के रूप में हमें मिला है।

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने 71 और हमारे सहयोगी 'अपना दल' ने 2 सीटें प्राप्त की। उत्तर प्रदेश के लिए यह बड़ी सफलता है। ऐसे ही मध्य प्रदेश की 29 में से 27 सीटों पर भाजपा विजयी हुई। झारखण्ड, बिहार और छत्तीसगढ़ राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को अब तक की सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं।

यह चुनावी सफलता भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व और व्यक्तित्व का कमाल तो है ही, यह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और देश की जनता का भारतीय जनता पार्टी और मोदीजी के प्रति विश्वास का सूचक भी है। यह सफलता और विश्वास निरंतर बढ़ता रहा है। लोकसभा चुनावों में इस सफलता के बाद, देश में चार बड़े राज्यों के चुनाव हुए हैं और उनमें भी भारतीय जनता पार्टी को अच्छी सफलता मिली है।

यह पहली बार हुआ है कि देश के पूर्वी भाग के किसी राज्य में भाजपा को पूर्ण बहुमत प्राप्त है। महाराष्ट्र और हरियाणा में भी पहली बार भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनी है। जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा गठबंधन के महत्वपूर्ण घटक के रूप में सरकार में शामिल हुआ।

यह पहली बार हुआ है कि देश के पूर्वी भाग के किसी राज्य में भाजपा को पूर्ण बहुमत प्राप्त है। महाराष्ट्र और हरियाणा में भी पहली बार भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनी है। जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा गठबंधन के महत्वपूर्ण घटक के रूप में सरकार में शामिल हुआ।

कश्मीर घाटी से भी विधान परिषद में पहली बार भाजपा का प्रतिनिधि चुना गया है और राज्य से राज्य सभा में भी पार्टी को प्रतिनिधित्व मिला है।

क्रमशः-

राज्यसभा में प्रस्तावित आधार बिल संशोधनों को लोकसभा में क्यों नहीं अपनाया गया

–अरुण जेटली

गत 16 मार्च 2016 को राज्यसभा के सामने आधार वित्तीय, अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवा बिल 2016 को विचारार्थ लाया गया। लोकतंत्र बहस की भावना के अनुरूप कांग्रेस ने बिल में पांच संशोधन सुझाए, जिसे लोकसभा ने स्वीकार नहीं किया। यहां बताया गया है कि क्यों? (अब बिल को संसद की स्वीकृति मिल गई है)।

लोकसभा में स्वीकृत पांच संशोधनों के संभावित अवशेषों को समझने की कोशिश करें। इस बात पर पर्याप्त बहस हो चुकी है कि प्रत्येक आवासी के लिए यूनीक आइडेटिटी नम्बर होना चाहिए। यूपीए द्वारा 2010 में अध्याय VI के प्रावधान के अनुसार इस प्रारूप को तैयार किया गया जिस पर बहुत बहस भी हुई। बिल में आधार संख्याधारी या किसी कोर्ट या अन्य सक्षम प्राधिकारी की सहमति से पहचान पत्र सूचना शेयर करने का प्रावधान है। ड्राफ्ट बिल में इस प्रावधान की आलोचना हुई क्योंकि इसमें किसी व्यक्ति के प्राइवेसी अधिकार के साथ समझौता किया गया है।

मैंने सदैव इस बात पर विश्वास किया है कि किसी प्रकार की प्राइवेसी अधिकार की न्यायिक बहस के होते हुए भी संविधान के अनुच्छेद 21 में गारंटी किए गए प्रावधान अत्यंत अनिवार्य पहलू है। इसलिए प्राइवेसी की वंचना पर उचित, न्यायप्रिय और समुचित प्रक्रिया अपनाना अत्यंत आवश्यक है। अत: प्राइवेसी के आधार के सम्बंध में मूलत: तथा प्रक्रियात्मक रूप दोनों तरह से कड़े प्रावधान हाने चाहिए। आधार कार्डधारी की सहमति होने पर भी किसी भी व्यक्ति से कोर-बायोमीट्रिक सूचना शेयर नहीं की जा सकती है। सूचना अवैध रूप से शेयर नहीं की जा सकती है। किसी कोर्ट द्वारा अनुमति दिए जाने की बजाए इस प्रकार की सूचना केवल जिला जज या इससे ऊपर की अदालत के अनुसार ही कोर-बायोमीट्रिक्स को छोड़ कर सूचना के प्रगटीकरण हो सकता है। राष्ट्रीय सुरक्षा ही केवल एक ऐसा आधार है जिन पर सक्षम अधिकारी आदेश दे सकता है। प्रत्येक सक्षम अधिकारी के निर्णय की एक समिति समीक्षा करती है जिसमें केबिनेट सेक्रेटरी, लॉ सेक्रेटरी और सूचना सचिव तथा सचिव, सूचना तकनॉलाजी का होना आवश्यक है। इस सक्षम प्राधिकार के निर्देश की अवधि अधिक से अधिक तीन महीने होती है।

'राष्ट्रीय सुरक्षा' की आधार ही ऐसा होता है जिस पर सक्षम प्राधिकारी 2010 और 2016 कानूनों के अनुसार आम आदमी के साथ सूचना शेयर कर सकता है। राष्ट्रीय सुरक्षा एक भली-भांति परिभाषित है। यह अनेक कानूनों में निहित है तथा संविधान के अनुच्छेद 19 (2) में अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त है। राष्ट्रीय सुरक्षा सदैव ही वृहत्तर सार्वजानिक हितों के कारण एक अपवाद है, जिसमें व्यक्ति के अधिकार को बड़े सार्वजनिक हित में आने नहीं दिया जाता है। यह सिद्धांत विश्व की अधिकांश लिबरल डेमोक्रेसीज में पाया जाता है। उदाहरणार्थ, युनाइटेड किंगडम में पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट 1998 में पर्सनल डाटा का प्रावधान है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर डाटा प्रोटेक्शन सिद्धांतों से छूट मिली हुई है।

कांग्रेस ने राज्यसभा में अपनी अधिक संख्या होने के कारण एक संशोधन किया जिसमें उसने 'नेशनल सिक्युरिटी' के स्थान पर 'पब्लिक इमर्जेसी या इन दि इंटररेस्ट ऑफ पब्लिक सेफ्टी' शब्दों को रख दिया। इनमें से कोई भी फ्रेज सुभाषित नहीं है। यह अस्पष्ट है और लचीले हैं। यह भी स्पष्ट नहीं है किस प्रकार आधार सूचना का उपयोग पब्लिक इमर्जेसी या पब्लिक सेफ्टी की स्थितियों में किया जा सकता है। निश्चित ही 'नेशनल सिक्युरिटी' शब्दों की अपेक्षा प्राइवेसी पर दखल देने का व्यापक स्कोप का प्रावधान होगा, जो 2010 तथा 2016 दोनों कानूनों में निहित है और जिसके कारण बाद में संविधान में संशोधन का आधार भी रहा होगा।

एक और प्रस्तावित संशोधन है जिसमें सक्षम प्राधिकारी के निर्णय की समीक्षा की जाती है। दोनों का 'नेशनल सिक्युरिटी' के विषयों से किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध नहीं है। यहां 2016 कानून के सेक्शन 57 को समाप्त करने का प्रस्ताव है। सेक्शन 57 में मात्र इतना कहा गया है कि यदि किसी अन्य कानून में आधार संख्या को व्यक्ति की पहचान के लिए रखा गया हो तो उस कानून का अतिलंघन नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित संशोधन में सभी आगामी कानूनों को नियम से बाहर रखा गया है।

राज्यसभा में प्रस्तावित संशोधन को स्वीकृति दी जाती है तो प्राइवेसी के अधिकार कहीं अधिक व्यापक होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर ओवरसाइट कमेटी या तो लेखापरीक्षक या किसी भ्रष्टाचार विरोधी अथारिटी के लिए होगी और मनी बिल इसके कार्यक्षेत्र से कहीं परे रहेगा। इन कमियों के कारण आधार कानून 'अनकांस्टीट्यूशनेलीटी' के दायरे से बाहर हो जाएगा। स्पष्ट है कि लोकसभा उपर्युक्त सुझाव से सहमत नहीं होगी और मेरे विचार में यह सही भी है। ■

(लेखक केन्द्रीय वित्त मंत्री हैं)

धर्म के नाम पर आतंक फैलाना धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध है : नरेन्द्र मोदी

विश्व सूफी मंच का शुभारंभ 17 मार्च को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में हुआ। इस सूफी सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया। प्रधानमंत्री ने सूफी सम्मेलन में अपने भाषण की शुरूआत करने से पहले सबका स्वागत करते हुए कहा कि आपका दिल्ली में स्वागत है जिसे अलग-अलग संस्कृतियों ने बनाया है। सूफी संत मानवता की सेवा करते हैं। अगर हम भगवान से प्यार करते हैं तो उसकी बनायी हर चीज से प्यार करना चाहिए। इस मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शांति का संदेश दिया और इस्लाम का अर्थ समझाते हुए इसे शांति से जोड़ा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 मार्च को विश्व सूफी मंच को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने सूफी परंपरा, उनकी उदारता व समरसता समेत कई संतो का भी जिक्र किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जैसे ही मंच पर भाषण देने के लिए पहुंचे 'भारत माता की जय' के नारे से पूरा हॉल गूंज उठा। यह सूफी इस्लामिक परंपरा की विराटता को दिखाता है। ऐसे समय में पूरी दुनिया में अंधेरा छाया है तो सूफी नूर की तरह है।

ऑल इंडिया उलेमा-ए-मशाएख बोर्ड द्वारा आयोजित इस चार दिवसीय कार्यक्रम में 20 देशों के अनेक गणमान्य शामिल हुए। इसमें मिस्र, जॉर्डन, तुर्की, ब्रिटेन, अमरीका, कनाडा, पाकिस्तान और अन्य देशों के धार्मिक नेता, विद्वान, शिक्षाविद और धर्मशास्त्री शामिल हुए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने व्यापक संबोधन में सूफीवाद के समृद्ध और भव्य इतिहास, सहिष्णुता और सहानुभूति की जीवन शक्ति तथा आतंकवाद और घृणा की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए सभी मानवतावादी बलों के एकजुट होने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से धर्म और आतंक के बीच किसी भी प्रकार के संबंध को नकारा। उन्होंने कहा कि जो धर्म के नाम पर आतंक फैला रहे है, वे सिर्फ धर्म विरोधी है। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और जाने-माने टिप्पणीकारों ने प्रधानमंत्री के भाषण की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने विश्व सूफी मंच को ऐसे लोगों की सभा बताया 'जिनका जीवन ही शांति, सहिष्णुता और प्रेम का संदेश है।' प्रधानमंत्री ने एकत्रित सूफी विद्धानों और धार्मिक नेताओं की सभा में कहा, 'आज जब हिंसा की काली परछाई बड़ी होती जा रही है, ऐसे में आप उम्मीद का नूर या किरण हैं। जब बंदूकों से सड़कों पर नौजवानों की हंसी खामोश कर दी जाती है, तब आप मरहम की आवाज हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सूफीवाद खुलेपन और जानकारी, संपर्क और स्वीकृति तथा विविधता के प्रति सम्मान के जरिए मानव इतिहास की चिरस्थायी सीख पर जोर देता है। इससे मानवता का प्रसार होता है, राष्ट्र तरक्की करता है

और विश्व समृद्ध बनता है। विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सूफी के लिए ईश्वर की सेवा का अर्थ मानवता की सेवा करना है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के शब्दों में सभी प्रार्थनाओं में से सर्वशक्तिमान सबसे अधिक प्रसन्न तब होते है जब आप दीन-दुखियों की मदद करते हैं।'

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सूफीवाद का संदेश हिंदू परंपरा के भक्ति संतों के इस कथन कि 'पहाड़ियों से बहने वाली सरिताएं चारों तरफ से आकर एक बड़े समुद्र में समा जाती है' से मेल खाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'जब हम अल्लाह के 99 नामों के बारे में सोचते हैं तो कोई भी बल या हिंसा का संदेश नहीं देता है तथा पहले दो नाम करूणा और दया का पर्याय है। अल्लाह, रहमान और रहीम हैं।' उन्होंने कहा कि सूफीवाद शांति, सह-अस्तित्व, करुणा और समानता की आवाज है, जो सार्वभौमिक भाईचारे का आह्वान करता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट किया कि समावेशी संस्कृति को सुदृढ़ करने में सूफीवाद ने कैसे मदद की और यह विश्व के सांस्कृतिक पटल पर भारत का महान योगदान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विविध लेकिन अखंड राष्ट्र में सभी धर्मों के प्रत्येक सदस्यों के संघर्ष, बलिदान, साहस, ज्ञान, कौशल, कला और गौरव के बल पर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

आतंकवाद की वैश्विक चुनौती के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि 'जब आतंकवाद का हिंसा बल नहीं, बल्कि सूफीवाद का धार्मिक प्रेम सीमाओं के पार पहुंचेगा तो यह क्षेत्र भूमि पर वह स्वर्ग बन जाएगा जिसके बारे में अमीर खुसरो ने बताया है।'

उन्होंने कहा कि आज जब आतंकवाद और अलगाववाद सबसे अधिक विनाशकारी शक्ति बन गई है, ऐसे में सूफीवाद के संदेश की वैश्विक प्रासंगिकता है। आतंकवादियों द्वारा विश्व में फैलाये जा रहे आतंक के बारे में उन्होंने कहा कि आतंकवाद के प्रभाव को केवल आंकड़ों से नहीं आंका जा सकता है।

आतंकवाद के खिलाफ मानवता की लड़ाई के बारे में उन्होंने कहा कि 'यह किसी धर्म के खिलाफ लड़ाई नहीं है। यह हो भी नहीं सकती। यह मानवता के मूल्यों और अमानवीय ताकतों के बीच टकराव है।'

उन्होंने कहा कि 'यह एक ऐसी लड़ाई है जिसे हमारे दृढ़ मूल्यों और धर्मों के वास्तविक संदेश के जरिए जीतनी ही होगी।' उन्होंने कहा कि सूफीवाद का संदेश केवल आतंकवाद का मुकाबला करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें ''सबका साथ सबका विकास'' का सिद्धांत भी शामिल है।

पवित्र ग्रंथों और महान मनीषियों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने हिंसात्मक बलों की चुनौतियों का मुकाबला 'हमारे प्रेम की सहृदयता और सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों' से करने का आह्वान किया।

इससे पहले ऑल इंडिया उलेमा-ए-मशाएख बोर्ड के संस्थापक अध्यक्ष हजरत सैयद मोहम्मद अशरफ ने कहा कि भारत के मुसलमान देश में अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त हैं और वे राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा संप्रभुता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नजमा हेपतुल्ला भी उपस्थित थी। ■

श्री मोदी के संबोधन की मुख्य बातें

- हमें आतंकवाद और धर्म के बीच किसी भी प्रकार के संबंध को नकारना चाहिए।
- धर्म के नाम आतंक फैलाना धार्मिक भावनाओं के विरूद्ध है।
- विश्व सूफी मंच पर ऐसे व्यक्ति एकत्रित हैं जिनका जीवन स्वयं ही शांति, सहिष्णुता और प्रेम का संदेश है।
- सूफियों के लिए ईश्वर की सेवा का अर्थ मानवता की सेवा है।
- अल्लाह के 99 नामों में से कोई भी हिंसा का संदेश नहीं देता हैं।
- सूफीवाद शांति, सह-अस्तित्व, सहानुभूति और समानता का प्रतीक है और सार्वभौमिक भाईचारे का आह्वान करता है।
- आज के समय में जब आतंकवाद और अलगाववाद सबसे अधिक विनाशकारी शक्ति बन गई है, ऐसे में सूफीवाद के संदेश की वैश्विक प्रासंगिकता है।
- सूफीवाद का संदेश केवल आतंकवाद का मुकाबला करने तक ही सीमित नहीं बल्कि इसमें 'सबका साथ सबका विकास' का सिद्धांत भी शामिल हैं।
- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई किसी धर्म के विरूद्ध टकराव नहीं है।
- हमारे मूल्यों और धर्मों के वास्तविक संदेश के जरिए हमें आतंकवाद के खिलाफ जंग को जीतना होगा।

केरल में भाजपा–रा.स्व.सं. कार्यकर्ता मार्क्सवादी निर्ममता का शिकार बने हुए हैं

देश की अनेकों राजनीतिक पार्टियां होने के बावजूद भी भारत जैसे बड़े राज्य में निश्चित ही यहां के विशाल समाज को केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में नियमित रूप से वहां चल रही हिंसा के कारणों पर विचार करना आवश्यक है। इन क्षेत्रों में कम्युनिस्ट/मार्क्सवादी पार्टी की उपस्थिति ही इसका प्रमुख कारण है। यदि आप केरल की दृश्यावली पर नजर दौड़ाएं तो आपको पता चलेगा तो इसका कारण यहां पर कम्युनिस्ट/मार्क्सवादी पार्टी की उपस्थिति है और मार्क्सवादी निर्ममता का शिकार भाजपा–रा.स्व.सं. के कार्यकर्ता बने हुए हैं। कांग्रेस–मुस्लिम लीग, जनता दल, केरल कांग्रेस के साथ–साथ सी.पी.आई, आर.एस.पी आदि जैसे अन्य वामपंथी ग्रुप के शिकार बने हुए हैं। आज तक केरल में, आरएसएस–भाजपा के 267 कार्यकर्ता शिकार बन चुके हैं। इनमें से देखा गया है कि 85 हत्याएं तो कन्नूर के पार्टी गढ़ों में हुई है। वास्तव में पिनारई विजयन स्वयं ही इन हत्याओं की जिम्मेदारी है। पार्टी पोलित ब्यूरों के सदस्य, केन्द्रीय समिति सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी हत्याओं की साजिश के उतने ही शिकार हैं। किसी भी अन्य पार्टी में इस प्रकार की बुराई नहीं सहनी पड़ी है।

अब समय आ गया है कि सीपीएम, जो इस राजनीतिक रक्तपात की जिम्मेदार है, उसे निर्ममता की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। मार्क्सवादियों के हाथ से उस समय बातें बिगड़ती चली गई जब कन्नूर जिले के आरएसएस शारीरिक शिक्षण प्रमुख की हत्या हुई। जब सीबीआई ने जांच प्रक्रिया का काम शुरू किया तो उनका आतंकित होना स्वाभाविक था। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि सीबीआई को अरियल शुकूर की जांच करनी चाहिए। वास्तव में यह हत्या अपने आप भयावह थी। पुलिस का मानना है कि सीपीएम नेता पी. जयराजन और टी.वी. राजेश इस मामले में प्रमुख अभियुक्त हैं।

भारतीय जनता पार्टी, केरल प्रदेश अध्यक्ष श्री कुम्नाम राजशेखरन द्वारा 17 मार्च 2016 को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में जारी प्रेस वक्तव्य

मार्क्सवादियों ने फजल की हत्या की जिम्मेदारी आर.एस.एस. पर थोपने की कोशिश की और इसके लिए उन्होंने नितांत झूठ फैलाना शुरू कर दिया। किन्तु पुलिस जांच से पता चलता है कि सीपीआई क्रिमिनल लोग इस हत्या के पीछे थे और इसके लिए करोई चन्द्रशेखरन और कटाई राजन को गिरफ्तार किया गया। टी.पी. चन्द्रशेखरन की हत्या के बारे में भी मार्क्सवादियों की सभी हरकतें उन्हीं पर भारी पड़ रही है। पन्नीनुर चन्द्रन की हत्या एक ऐसा अपराध है जिसकी माफी कभी नहीं दी जा सकती है, जब मार्क्सवादी गुण्डों ने उसे उनकी बाइक से खींच कर उनकी पत्नी के सामने हत्या कर डाली। यह वही कम्युनिस्ट बर्बरता है जैसी जयकृष्णन मास्टर को क्लासरूम से खींच कर विद्यार्थियों के सामने हत्या कर डाली गई थी। यह सभी कुछ अपने आप में भयावह है। अजमल कृष्णा, ताल्लुक प्रचारक बुरी तरह से घायल हो गया है और संकटग्रस्त स्थिति में है।

सीपीएम के लिए भाजपा द्वारा लिया गया स्टैण्ड एक उदाहरण होना चाहिए। अब सीपीएम के लिए यह अत्यंत विचारणीय है कि सभी मतभेदों को समाप्त करने लिए राजनीतिक भेदभाव एक तरफ करके समाधान किया जाना चाहिए और शांतिपूर्वक बातचीत में भाग लेना चाहिए।

दूसरी तरफ, हम देखते हैं कि कांग्रेस इन राजनीतिक निर्ममताओं को बढ़ावा दे रही है। यहां तक उन्होंने

सीपीएम के साथ राजनैतिक गठबंधन करना शुरू कर दिया है, जिसका उद्देश्य भाजपा द्वारा की गई प्रगति में रूकावट डालना है। यही कारण है कि सरकार ने मार्क्सवादियों की राजनीतिक हत्याओं संबंधित मामलों में दूसरी तरह की पहुंच इख्तियार की है और इसी कारण पी. जयराजन की खुलकर मदद की जा रही है।

एक तरफ तो सीपीएम राजनीतिक हिंसा की तारीफ करती नजर आती है तो दूसरी तरफ कांग्रेस शासित फ्रंट सुनिश्चित करता है कि भ्रष्टाचार पर झुका जाए और इस संबंध में उमेन चांडी ने सुनिश्चित किया है कि यूपीए को शर्मसार किया जाए। सोलर स्कैम आदि प्रमुख रूप से हैडलाइनों में आए हैं। परन्तु इन कहानियों के पीछे यूडीएफ के अन्य स्टेट मिनिस्टरों की भ्रष्टाचार की कहानियां है, जिन्हें धीरे-धीरे खोला जा रहा है।

नवीनतम उदाहरण अवैध रूप से मैट्रन लेक और करूणा एस्टेट को निजी कम्पनियों के हाथों सौंपना है। वर्तमान सरकार ने सुनिश्चित किया है कि केरल के इतिहास में पहली बार राज्य के मुख्य मंत्री से जुडिशिल कमीशन ने पूछताछ शुरू कर दी है। वह मुख्यमंत्री, जो भ्रष्टाचार और उनके मंत्रियों के फ्रॉड के एक मामले की जिम्मेदारी लेता है, केरल समाज के लिए वास्तव में शर्म की बात है। केरल में ऐसा पहली बार है कि मुख्यमंत्री को 18 अन्य मंत्रियों के साथ एक विजिलेंस मामले में अभियुक्त बनाया गया है और इतना ही नहीं उमेन चांडी के शासन में भ्रष्ट आचरणों के इस्तेमाल के लिए मुख्यमंत्री के कार्यालय का दुरुपयोग किया गया है।

पहली बार केरल में मुख्यमंत्री के निजी स्टॉफ और गनमैन को गिरफ्तार किया गया है। न्यायालय के हस्तक्षेप पर दो मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ा है, जिसमें वो 'बार मालिकों' से रिश्वत लेने की बात कही गई है। उच्च न्यायालय और विजिलेंस कोर्ट दोनों ने ही इस बारे में मुख्यमंत्री को कड़ी चेतावनी दी है।

अब यही अवसर है कि केरल के लिए भाजपा का थर्ड फ्रंट ही एकमात्र उम्मीद बची है। सभी को समान न्याय दिलाने, भ्रष्टाचार से मुक्त करने, केरल के विकास को बढ़ावा देने, नई परियोजना और नीतियों का मार्गदर्शन देने के लिए नई राजनीतिक नेतृत्व और विश्वसनीयता की आवश्यकता है। आम जनता को महसूस करना चाहिए कि झूठे वायदे की राजनीति को अब बंद किया जाना चाहिए।■

प्रधानमंत्री ने देखी वायुसेना की मारक क्षमता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 18 मार्च को राजस्थान स्थित पोखरण में वायुसेना की अद्भुत मारक क्षमता देखी। इस अवसर पर भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के साथ-साथ देश के रक्षामंत्री श्री मनोहर पार्रिकर, राजस्थान के राज्यपाल श्री

कल्याणसिंह और मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया भी मौजूद थी। यही नहीं, थल सेनाध्यक्ष श्री दलवीरसिंह, वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल श्री अरूप राहा के साथ ही तीनों सेनाओं के अधिकारी मौजूद थे। थार के रेगिस्तान में स्थित पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज के आसमान पर भारतीय वायुसेना के विमानों का शानदार करतब और लड़ाकू विमानों की भयानक गूंज से आसमान थर्रा उठा। शाम 5 बजे शुरू हुए 'आयरन फिस्ट' युद्धाभ्यास के दौरान कुछ ही क्षणों में रेगिस्तान को बमबारी से गूंजा दिया। फायरिंग रेंज की जमीन थर्रा उठी और दुश्मन कांपने लगा। वायुसेना के विमानों ने ठिकानों की ऐसी तबाही मचाई कि फायरिंग रेंज में आग के बवंडर नजर आने लगे। धुंए के गुबार में दुश्मन नेस्तनाबूत होता नजर आया।

इस युद्धाभ्यास 'आयरन फिस्ट' में भारतीय वायुसेना के करीब 181 विमानों ने हिस्सा लिया। इनमें मुख्य रूप से तेजस, सुखोई, मिग 27, एएन 32, आईएल 78, आई एल 76, एमआई 70, सारंग, सूर्यकिरण मिराज 2000, जगुआर, सुखोई 30, मिग 29, एमआई 30 आदि शामिल थे। भारतीय तेजस विमान ने पहली बार 'आयरन फिस्ट' में अपनी ताकत दिखाई। तेजस ने लेजर गाइडेड बम के साथ ही मिसाइल फायर की। हवा से हवा में वार करने का जबरदस्त प्रदर्शन तेजस ने किया। देशी क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन तेजस ने दिखाया और वहां मौजूद लोगों को अभिभूत कर दिया। ■